जीवन दर्शन

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

गुरुवार 03 अप्रैल, 2025 | वर्ष - 14, अंक 51 | www.globalherald.news | » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 8 » मूल्य ₹ 2.00

एक मुर्ख खुद को
बुद्धिमान समझता है,
लेकिन बुद्धिमान व्यक्ति
खुद को मुर्ख समझता है।
- विलियम शेक्सपियर

लाइट, साउंड, गाने, कपड़े
सब कुछ अद्भुत था: कुब्रा सैत

पेज -8 पर

न्यूज ब्रीफ

यूपी में गर्मी ने तोड़ दिया 124 साल पुराना रिकॉर्ड

वाराणसी। यूपी में मार्च माह में ही गर्मी ने 124 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। दोपहर में जबरदस्त धूप हो रही है। दिन और रात के तापमान में 20 डिग्री का अंतर है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि 2 दिन बाद रात की गर्मी और बढ़ेगी। 1901 के बाद मार्च महीने में यूपी में इतनी गर्मी पड़ी है। प्रदेश का औसत तापमान 42 डिग्री रहा। 1901 में मार्च में औसत पारा 41.5 डिग्री था। मौसम वैज्ञानिक मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि देश में इस बार सामान्य से अधिक गर्मी के आसार हैं। अप्रैल से जून के तीन महीनों में इस बार लू (हीटवेव) अधिक परेशान करेगी। धूप तेज होने से दिन का तापमान भी बढ़ने लगा है। 24 घंटे में दिन के तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस का उछाल हुआ। पहाड़ों से आ रही ठंडी हवा का असर कम होने लगा है। पश्चिमी विक्षोभ की भी सक्रियता कम हो रही है। इस बार ला-नीनो की वजह से बारिश कम हो सकती है।

मेरे शो में शामिल होने से आपको हुई असुविधा के लिए गहरा खेद है: कुणाल

मुंबई। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा ने बुधवार को अपने उन प्रशंसकों से माफी मांगी, जिन्हें खार में एक होटल के स्टूडियो में आयोजित उनके कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कथित तौर पर नोटिस जारी किया गया है। 'नया भारत' कार्यक्रम में कामरा ने शिवसेना में विभाजन को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर कटाक्ष किया था और उन्हें 'गद्दार' कहा था, जिसे लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है तथा उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। पुलिस के मुताबिक, कामरा के कार्यक्रम में शिरकत करने वाले एक बैंक कर्मचारी को स्टैंड-अप कॉमेडियन के खिलाफ दर्ज एक मामले में गवाह के रूप में तलब किया गया है। कामरा ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें कहा गया है कि पुलिस से नोटिस मिलने के बाद 'नया भारत' कार्यक्रम में शामिल हुए नवी मुंबई के एक बैंक कर्मी को अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर मुंबई लौटना पड़ा।

आसाराम को नहीं मिली राहत

जोधपुर। नाबालिग से रेप मामले में सजायाफ्ता आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली है। बुधवार को उसकी अर्जी पर सुनवाई हुई। करीब आधे घंटे तक बहस चली, जिसमें सरकारी अधिवक्ता ने आसाराम को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि उसने सुप्रीम कोर्ट की प्रवचन नहीं करने की शर्त का उल्लंघन किया है। अब इस मामले में 7 अप्रैल को सुनवाई होगी। वहीं, आसाराम के वकील ने कहा कि किसी भी शर्त का कोई उल्लंघन नहीं किया गया है। इससे पहले कोर्ट ने आसाराम को पूर्व में दी गई अंतरिम जमानत के दौरान लिए गए ट्रीटमेंट से जुड़ी पूरी जानकारी भी ली और भविष्य में इसकी जरूरत के बारे में भी पूछा। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने आसाराम की ओर से शर्तों के उल्लंघन को लेकर जवाबी शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

वक्फ संशोधन बिल को लेकर शाह ने कहा- बिल को लेकर भ्रांतियां फैलाई गईं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बड़ा दावा किया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कोई भी व्यक्ति केवल अपनी संपत्ति का दान कर सकता है, सरकारी भूमि का नहीं। शाह ने वक्फ को एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट बताया, जिसमें व्यक्ति अपनी संपत्ति को पवित्र उद्देश्य के लिए दान करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संसद का कानून सभी को स्वीकार करना पड़ेगा।

अमित शाह ने सदन में कहा कि वे अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगी द्वारा प्रस्तुत बिल के समर्थन में खड़े हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिल को लेकर कई भ्रांतियां फैलाई गई हैं, जिनका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय में डर पैदा करना और राजनीतिक लाभ उठाना है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि वक्फ अधिनियम मुसलमानों की धार्मिक संपत्तियों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं है।

संसद का कानून है सभी को मानना होगा

वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम की नियुक्ति नहीं होगी

गृह मंत्री ने स्पष्ट किया कि वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद की स्थापना 1995 में हुई थी और इसमें किसी भी गैर-मुस्लिम व्यक्ति की नियुक्ति का प्रावधान नहीं है। उन्होंने विपक्ष द्वारा फैलाई जा रही गलत धारणाओं को खारिज करते हुए कहा कि सरकार वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में किसी भी तरह का हस्तक्षेप नहीं कर रही है।

दान अपनी संपत्ति का ही हो सकता है

अमित शाह ने कहा कि वक्फ की अवधारणा इस्लाम के दूसरे खलीफा उमर के समय अस्तित्व में आई। उन्होंने कहा कि व्यक्ति केवल वही संपत्ति दान कर सकता है जो उसकी अपनी हो। सरकारी या किसी अन्य व्यक्ति की संपत्ति को दान नहीं किया जा सकता है।

मुस्लिम भाइयों को नहीं होना चाहिए चिंतित

शाह ने मुस्लिम समुदाय को आश्वस्त करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिमों की कोई भागीदारी नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा कि वक्फ संपत्तियों का गलत तरीके से उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गृह मंत्री ने कहा कि इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग को रोकना और पारदर्शिता बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि वक्फ संपत्तियों का उपयोग उन्हीं उद्देश्यों के लिए हो, जिनके लिए उन्हें दान किया गया था।

सौगात-ए-मौदी में हमें यह कानून दे दीजिए

वक्फ संशोधन बिल का कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने किया विरोध

नई दिल्ली। लोकसभा में आज वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया गया, जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। एनडीए और उसकी सहयोगी पार्टियां इस विधेयक के समर्थन में खड़ी हुईं, जबकि विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक ने इसका जोरदार विरोध किया। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने सदन में इस बिल पर सवाल उठाते हुए कहा कि आपने सौगात-ए-मोदी दी है, हमें सौगात-ए-मोदी में यह कानून दे दीजिए, हमें शिक्षा और रोजगार भी इसी सौगात में दे दीजिए।

इमरान मसूद ने बाबा साहेब अंबेडकर के संविधान में दिए गए अधिकारों का जिक्र करते हुए कहा कि वक्फ बिल लाने वाले लोग खुद इस पर सही जानकारी नहीं रखते हैं। उन्होंने कहा, मुसलमान अपनी हैसियत के अनुसार

अल्लाह की राह में वक्फ करता है और इसका पूरा प्रबंधन सरकारों के हाथ में होता है। वक्फ की संपत्तियों को सरकार अधिग्रहित कर रही है, जिससे समुदाय को नुकसान होगा। उन्होंने सच्चर कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि विभिन्न राज्यों में वक्फ की हजारों एकड़ जमीनें सरकारी नियंत्रण में चली गई हैं। खासतौर पर उत्तर प्रदेश में 14,000 एकड़ में से 11,500 एकड़ जमीन को सरकारी घोषित कर दिया गया है, जिसमें मस्जिदें, इमामबाड़े और कब्रिस्तान शामिल हैं।

कांग्रेस ने वक्फ को सौंप दीं थीं 125 संपत्तियां

शाह ने कांग्रेस की पूर्व सरकारों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि 2013 में हुए संशोधन के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने दिल्ली के लुटियंस जोन की 125 संपत्तियां वक्फ को सौंप दी थीं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान उत्तर रेलवे की जमीन वक्फ को दी गई थी और विभिन्न राज्यों में भी वक्फ की जमीन पर मस्जिदें बनाई गईं। इस दावे पर विपक्ष ने हंगामा किया।

एनओसी पर सेना ने 5 घुसपैठिए मार गिराए

पाकिस्तान ने फायरिंग कर संघर्ष विराम किया

श्रीनगर ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा पर सेना ने 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। हालांकि इसे लेकर सेना का आधिकारिक बयान नहीं आया है। घटना मंगलवार शाम को पुंछ में नियंत्रण रेखा पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई। एलओसी से सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी। जिसमें 4 से 5 घुसपैठियों मारे गए। फायरिंग और ब्लास्ट को लेकर सेना ने कहा

कि एक अप्रैल को एलओसी के उस पार से पाकिस्तानी सेना ने घुसपैठ की कोशिश की। इसके कारण कृष्णा घाटी सेक्टर में एक माइन ब्लास्ट हुआ। पाकिस्तानी सेना ने बिना उकसावे के फायरिंग की और संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया। सेना ने कहा कि हमारे सैनिकों ने फायरिंग का जबाव दिया। स्थिति नियंत्रण में है और इस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

400 से घटकर 81 पर पहुंचे रेल हादसे

नई दिल्ली। रेल सुरक्षा पर लोकसभा में बोलते हुए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कैसे एनडीए के कार्यकाल में रेल हादसों में कमी आई है। रेल की सुरक्षा के मानकों को बढ़ाकर रेल हादसों को नियंत्रित किया जा रहा है। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में रेल दुर्घटनाओं की संख्या 400 थी जो अब घटकर 81 हो गई है। रेल मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान हुई रेल दुर्घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा लालू जी के समय प्रतिवर्ष करीब 700 दुर्घटनाएं हुई थीं, ममता जी के समय 400 और खरगे जी के समय 385 दुर्घटनाएं हुई थीं, लेकिन कुछ ही दिन पहले समाप्त हुए वित्त वर्ष (2023-24) में यह संख्या घट कर 81 रह गई है।

गुजरात बनासकांठा हादसा

बिना सिर के क्षत-विक्षत मिली दो बॉडी

भोपाल ■ एजेंसी

गुजरात के बनासकांठा की पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट की घटना ने मध्य प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। हादसे में मरने और लापता लोगों में बड़ी संख्या मध्य प्रदेश के हरदा और देवास के लोगों की है। हादसे में 21 लोगों की जान चली गई। इसमें मध्य प्रदेश के 18 लोगों की मौत हो गई और दो लोगों का अभी पता नहीं चल सका है। इसमें हरदा के आठ और देवास के 10 मृतक शामिल हैं।

हरदा की 50 वर्षीय लक्ष्मी और 12 वर्षीय संतोष संजय नायक गायब हैं। हालांकि हादसा स्थल पर बिना सिर के क्षत-विक्षत दो शव मिले हैं। अब दो गायब लोगों की पहचान के लिए उनका डीएनए

हरदा की महिला और लड़के की पहचान के लिए होगा DNA

टेस्ट किया जा जाएगा। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री नागर सिंह चौहान ने बताया कि मध्य प्रदेश के मृतकों का पोस्टमार्टम करा कर शव उनके परिजनों के साथ घर के लिए रवाना कर दिए हैं। सरकार ने मृतकों और घायलों को मुआवजा देने का एलान किया है, जिसे उनके परिजनों ने नाकाफी बताया है। उन्होंने सरकार से 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग की है। मंत्री के साथ दोनों ही जिले के प्रशासनिक और पुलिस टीम भी बनासकांठा पहुंची थी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बनासकांठा पटाखा फैस्ट्री में हुए विस्फोट पर कहा कि गुजरात में विस्फोट की घटना हुई, जिसमें हमारे कई लोगों की मृत्यु हुई। साथ ही कई लोग घायल भी हो गए हैं। हमने हमारे मंत्री नागर सिंह चौहान को वहां भेजा था। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए लगातार कार्रवाई की है। इस घटना से जुड़े हुए सभी लोगों के साथ सरकार की संवेदना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपनी ओर से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। हम उम्मीद करते हैं कि रोजगार परक व्यवस्था में जो व्यक्ति किसी भी राज्य में जाए वे अपनी सुरक्षा का ध्यान रखेंगे। यह बहुत दर्दनाक हादसा था।

व्यंग्य : बिल पेश : नहीं लाते तो संसद भवन वक्फ का होता..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजूजी ने बहुचर्चित वक्फ संशोधन बिल लोकसभा में पेश किया और उन्होंने साफ कहा कि यदि यह बिल नहीं लाते तो संसद में जिस जगह हम बैठे हैं वह भी वक्फ की संपति होती. 8 घंटे की लम्बी बहस के बाद

मंत्री रिजूजी ने इशारा कर दिया देर रात तक भी चर्चा करेंगे यानी सरकार रात को ही बहुमत बल का लाभ लेकर पारित कराने की तैयारी में रही. वैसे तो मुसलमानों के ही मोदी जी शुक्रिया के नारों से सिद्ध हो गया कि लोगों ने, महिलाओं ने दिल से पारित किया है..?

शुक्रिया मोदी जी : संसद से पूर्व वक्फ बिल मुस्लिमों के दिलों से पारित : विपक्ष को झटका..?

वक्फ संशोधन बिल पर भले ही विपक्षी दलों व कुछ मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया, लेकिन कई मुस्लिम संगठनों के खुलकर समर्थन करने एवं कई जगह भोपाल तक गरीब मुसलमानों व यहां तक कि महिलाओं द्वारा भी शुक्रिया मोदी जी कहने से ही स्पष्ट है कि वक्फ की संपति में लूट मची हुई थी अतिक्रमण था और माफिया व पावरफुल लोग लाभ ले रहे थे तभी तो ऐसा सवाल उठा.देश में तीसरी बड़ी संपति का मालिक वक्फ बोर्ड है उसके बावजूद देश का हर चौथा मुस्लिम गरीब क्यों रहा है..? यह सवाल जमीयत हिमायत उल इस्लाम के सदर कारी अबरार जमाल ने उठाया है. उन्होंने तो हर चौथे मुस्लिम के लिए भिखारी शब्द उपयोग किया. इसका मतलब साफ है कि वक्फ बोर्ड में बहुत गड़बड़ थी तभी तो उनके अलावा कई अन्य मुस्लिम संगठन ने वक्फ संशोधन बिल लाने पर शुक्रिया मोदी जी कहा है..? राजस्थान के अजमेर से संचालित ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल ने वक्फ बिल का समर्थन किया है. यह संगठन अजमेर शरीफ

दरगाह से जुड़ा है और सूफी परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है. सितंबर 2024 में संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष इसने वक्फ बिल का समर्थन किया. इस संगठन ने माना कि यह बिल वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और प्रबंधन में सुधार करेगा. ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के चेयरमैन और अजमेर दरगाह से जुड़े सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने कहा है कि इस बिल में संशोधन का मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि मस्जिदें या संपत्तियां छिन जाएंगी. यह कहना गलत है. उन्होंने कहा कि जेपीसी में चर्चा के बाद बड़ी तसल्ली से यह बिल लाया गया है. नसरुद्दीन चिश्ती ने दावा किया कि उन्हें पूरा यकीन है कि संशोधन

के बाद वक्फ के काम में पारदर्शिता आएगी. पसमांदा (पिछड़े) मुस्लिमों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन वक्फ बिल के पक्ष में है. सितंबर 2024 में जेपीसी की बैठक में इसने बिल को 85% मुस्लिमों के लिए फायदेमंद बताया. इस संगठन का कहना है कि यह बिल वक्फ बोर्ड में सुधार लाकर हाशिए पर पड़े मुस्लिमों को लाभ पहुंचाएगा. राष्ट्रीय मुस्लिम मंच यह संगठन वक्फ बिल के समर्थन में खड़ा है. 23 फरवरी 2025 को दिल्ली में हुई बैठक में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने कहा कि यह बिल वक्फ संपत्तियों में पारदर्शिता लाएगा और मुस्लिम समुदाय के हित में है.मुस्लिम महिलाओं के बौद्धिक समूह ने वक्फ बिल का सपोर्ट किया है. नवंबर 2024 में जेपीसी की बैठक में शालिनी अली के नेतृत्व में मुस्लिम महिलाओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिल का समर्थन किया. उन्होंने भी तर्क दिया कि यह वक्फ बोर्ड में पारदर्शिता लाएगा और महिलाओं, अनाथों, विधवाओं जैसे कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए काम करेगा. कुल मिलाकर मंत्री किरण रिजूजी ने मुसलमानों को पूरा भरोसा दिलाया कि धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं होगा. सरकार सिर्फ बेहतर वित्तीय प्रबंधन करेगी और बीजेपी के अन्य वरिष्ठ नेताओं अमित शाह, रविशंकर प्रसाद आदि ने भी साफ कहा कि अब गरीब मुस्लिम को लाभ मिलेगा,माफिया लूट बंद होगी.बहरहाल गरीब मुस्लिम पुरुष व महिलाओं के दिलों से पारित होना ही मोदी सरकार की जीत है, हालांकि बहुमत आधार पर भी संख्या बल में एनडीए ही आगे रही और यह विपक्षी दलों के करारा झटका है, क्योंकि आगामी चुनावों में भी बीजेपी को मुस्लिम वोटों का लाभ मिलने की संभावना बढ़ गई है..?

दिल्ली-एनसीआर की हवा हुई खराब, ग्रैप-1 की पाबंदियां लागू

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर की हवा खराब क्षेणी में पहुंच गई है। वायु गुणवत्ता सूचकांक 'खराब' श्रेणी में पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने आदेश जारी कर दिया है। तत्काल प्रभाव से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान यान ग्रैप के चरण-1 के तहत सभी पाबंदियों को लागू कर दिया गया है। आमतौर पर ग्रैप-1 तब लागू किया जाता है, जब शहर का एक्यूआई 200 के पार पहुंच जाता है। ग्रैप-1 लागू होने के बाद होटलों और रेस्तरां में कोयला और लकड़ी के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध होता है। साथ ही निर्माण और विध्वंस (सीएंडडी) गतिविधियों में धूल शमन उपायों और सीएंडडी कचरे के ठोस पर्यावरण प्रबंधन पर निदेशों का उचित कार्यान्वयन सुनिश्चित किया जाता है। इसमें 500 वर्ग मीटर के बराबर या उससे अधिक के भूखंड आकार वाली ऐसी परियोजनाओं के संबंध में सीएंडडी गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जाएगी, जो संबंधित के वेब पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं। ग्रैप को दिल्ली-एनसीआर में प्रतिकूल वायु गुणवत्ता के चार अलग-अलग चरण के हिसाब से बांटा गया गया है। ग्रैप का चरण-1 उस वक्त लागू होता है, जब दिल्ली में अदक का स्तर 201-300 के बीच होता है। ग्रैप का दूसरा चरण उस परिस्थिति में प्रभावी होता है, जब राजधानी में वायु गुणवत्ता सूचकांक 301-400 के बीच 'बहुत खराब' मापा जाता है।

न्यूज ब्रीफ

अधिकतम दूध देने वाली गायों के पशु पालकों को दिये जायेंगे पुरस्कार

इंदौर। राज्य शासन ने प्रदेश की मूल गौवंशीय नस्ल (मालवी) एवं भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू गायों (गीर-साहीवाल) के पालन को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार योजना प्रारंभ की है। इसके तहत अधिकतम दूध देने वाली गायों का चयन कर उन्हें पुरस्कार दिया जायेगा। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रभारी उप संचालक डॉ. अमृतलाल शर्मा ने बताया कि योजना में जिले के अंतर्गत समस्त विकासखंडों से ऐसे पशुपालक जिनके पास प्रदेश की मूल गौवंश (मालवी) नस्ल की गाय जिसका प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन 04 लीटर अथवा उससे अधिक है तथा भारतीय उन्नत नस्ल की दुधारू (गीर-साहीवाल) गाय जिसका दुग्ध उत्पादन 06 लीटर प्रतिदिन या उससे अधिक है, उन्हें पुरस्कृत किया जायेगा। प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु इच्छुक एवं पात्र पशुपालकों से पृथक-पृथक आवेदन विकासखंड के पशु चिकित्सालयों से प्राप्त किए जाएंगे। आवेदनों का संकलन एवं परीक्षण उपरांत मूल गौवंशीय (प्रदेश एवं भारतीय) नस्ल की गायों का दैनिक दुग्ध उत्पादन का तीन टाइम दोहन कर एवरेज दुग्ध उत्पादन की वरीयता के आधार पर चयन कर प्रतियोगिता संपन्न कराई जायेगी। अधिकतम दुग्ध देने वाली गायों को क्रमशः प्रथम पुरस्कार 51 हजार रुपये, द्वितीय पुरस्कार राशि 21 हजार रुपये एवं तृतीय पुरस्कार राशि 11 हजार रुपये के प्रदान किए जायेंगे।

56 के सामने की सड़क बंद करने के खिलाफ याचिका हाइकोर्ट में खारिज

इन्दौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की एकल पीठ ने 56 दुकानों के सामने की सड़क को बंद करना जनहित में लिया फैसला मानते उसके खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। याचिका 56 दुकान के सामने स्थित बिल्डिग वन सेंटर के दुकानदारों ने लगाई थी। दुकानदारों द्वारा याचिका दायर करने के बाद कोर्ट ने अधिवक्ता हिमांशु जोशी को कमिश्नर नियुक्त कर स्थित और प्रभाव की जांच करवाई थी। अधिवक्ता हिमांशु जोशी ने अपनी रिपोर्ट में कोर्ट को बताया था कि वन सेंटर बिल्डिंग की पार्किंग में वाहन खड़े थे। हालांकि, इनके यहां तक पहुंचने में दिक्कत होती है। कोर्ट ने इसके बाकी विकल्पों को मद्देनजर रखते हुए इस याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने माना कि, यदि सड़क खोल दी जाती है तो उस स्थिति में अराजकता हो जाएगी। कोर्ट ने साफ किया कि इसको बंद करने से एमजी रोड पर भी वाहनों की स्थिति में सुधार आया है। बता दें कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कंपनी ने 56 दुकान के विकास के दौरान जंजीरवाला चौराहे से एमजी रोड के बीच की सड़क (रामनारायण शास्त्री मार्ग) को बंद करते इसे 56 दुकान का क्षेत्र मान इसे यहां आने वालों की सुविधा हेतु विकसित किया था। इसके खिलाफ 56 दुकान के सामने स्थित बिल्डिग वन सेंटर के दुकानदारों ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिस पर सुनवाई करते कोर्ट ने उसे निरस्त कर दिया।

यज्ञ हवन के अनूठे आयोजन के साथ नये शैक्षणिक सत्र की शुरूआत

इन्दौर। लीक से हटकर यज्ञ हवन के अनूठे आयोजन के साथ आध्यात्मिक वातावरण में उड़ान - द 7 हैबिट फाउंडेशन स्कूल ने नए शैक्षणिक सत्र की शुरूआत की। शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिवस को आयोजित 11 हवन कुंडों में हवन यज्ञ के आयोजन में स्कूल परिवार के सभी सदस्यों ने भाग लिया। हवन के बाद सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया गया। संचालन स्कूल की उपाध्यक्ष विधि हाजेला और प्रधानाचार्या ज्योति तिवारी ने किया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षकगण, अभिभावक और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक प्यार का नगमा है, संगीत कार्यक्रम कल

इन्दौर। स्थानीय जाल सभागृह में कल 4 अप्रैल को शाम 6.30 बजे से हिंदी फिल्म संगीत प्रेमियों के लिए खास संगीतमय संध्या एक प्यार का नगमा है का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हिन्दी फिल्म संगीत जगत की दिग्गज जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के सदाबहार गीतों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस आयोजन में इंदौर सहित प्रदेश के विभिन्न शहरों के कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे।

पिछले दरवाजे से जनता पर बोझ बढ़ा रही प्रदेश सरकार - कांग्रेस

इन्दौर। जनता पर कोई नया कर शुल्क नहीं लगानें की बात बजट पेश करने के दौरान कहने वाली प्रदेश सरकार ने पिछले दरवाजे से जनता पर टैक्स, शुल्क का बोझ बढ़ा दिया है। भाजपा सरकार ने लोगों के लिए जीवनयापन महंगा कर दिया है। कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की नीतियों पर टिप्पणी करते यह आरोप लगाया है। कांग्रेस प्रवक्ता अधिवक्ता प्रमोद द्विवेदी ने चर्चा में कहा कि प्रदेश में हर जिले में संपत्ति की गाइड लाइन 25 से 30 प्रतिशत बढ़ाई है। संपत्ति पंजीयन तो आम आदमी के लिए महंगा हो ही गया है। इसके कारण संपत्ति कर भी बढ़कर आएगा।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत कलेक्टर श्री आशीष सिंह पहुँचे शासकीय सांदीपनी विद्यालय मुसाखेड़ी

सहज भाव से बच्चों के बीच बैठे, अपने बचपन को याद किया, अपने अनुभव साझा करते हुए बच्चों को आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

राज्य शासन के निदेर्शानुसार इंदौर जिले में भी स्कूल चलें हम अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत आज सभी स्कूलों में भविष्य से भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सभी स्कूलों में कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित सभी अपर कलेक्टर, एसडीएम और विभिन्न विभागों के अधिकारी स्कूलों में पहुँचे, प्रेरक की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थियों से भेंट की, उनके साथ अपने अनुभव साझा किये, पढ़ाई का महत्व बताया और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए लक्ष्य को प्राप्त करने के मंत्र समझायें। इसी के तहत कलेक्टर श्री आशीष सिंह इंदौर के मुसाखेड़ी स्थित सांदीपनी विद्यालय पहुँचे। यहाँ वे सहज भाव से बच्चों के बीच बैठे, उनसे रूबरू होते हुए अपने बचपन को याद किया, कहानी सुनाई, अनुभव साझा किये और बच्चों को जीवन में आगे बढ़कर लक्ष्य प्राप्त करने की प्रेरणा दी।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बच्चों से कहा कि अब सीएम राइज स्कूल का नाम सांदीपनी विद्यालय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया गया है। यह हमारे ऋषि मुनियों की परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। शासकीय विद्यालयों की दशा और दिशा भी तेजी से बदल रही है। सकारात्मक बदलाव आ रहा है। सरकारी स्कूलों के प्रति पालकों का विश्वास बढ़ रहा है। इस वर्ष 40 से अधिक बच्चों ने प्रायवेट स्कूल छोड़कर इस सरकारी स्कूल में प्रवेश लिया है। यह अच्छी शुरूआत है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल किसी प्रायवेट स्कूल से कम नहीं है। उच्च शिक्षित, दक्षतापूर्ण शिक्षक है, साधन-सुविधाएँ है, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण है। सरकारी स्कूलों को और अधिक सुविधाओं से युक्त करने के प्रयास निरन्तर किये जा रहे हैं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह बच्चों के बीच कक्षा में पहुँचे। बच्चों से उनके रूचि के विषय और लक्ष्य के बारे में पूछा। बच्चों से उन्होंने कहा कि वे अपने बचपन को खोने नहीं दें। मोबाइल का उपयोग नहीं करें। अनुशासन में रहें। पढ़ाई के साथ खेल भी खेंले। खेल भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। बच्चों से उन्होंने कहा कि लक्ष्य तय करें, खूब मन लगाकर पढ़े, मेहनत करें, आगे बढें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करें। मेहनत ही सफलता की कुंजी है। मेहनत करेंगे तो कोई भी लक्ष्य आसानी से प्राप्त किया जा सकेगा। बच्चों को उन्होंने ऋषि कश्यप और एक देत्य की प्रेरणादायी कहानी भी सुनाई। बच्चों ने अपने लक्ष्य के बारे में बताया, किसी ने कहा कि वे प्रधानमंत्री, किसी ने डॉक्टर, इंजीनियर तो किसी ने भविष्य में टीचर बनने की बात कहीं। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

जिला पंचायत सीईओ श्री जैन ने भी पढ़ाया- भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन शासकीय सांदीपनी मालव कन्या विद्यालय पहुंचे। उन्होंने बच्चों से भेट की उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। क्लास में पहुंचे कर उन्होंने बच्चों को पढ़ाया भी।

वीर अलीजा सरकार के दरबार में 3 दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव 10 अप्रैल से

कैलाश मार्ग तीर्थ क्षेत्र से निकलेगी हनुमान यात्रा, अलीजा सरकार के भक्त बनेंगे साक्षी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कैलाश मार्ग तीर्थ क्षेत्र स्थित वीर बगीची में 3 दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव 10 से 12 अप्रैल तक मनाया जाएगा। हनुमान जयंती पर आयोजित महोत्सव की तैयारियां भक्त मंडल द्वारा की जा रही है। प्रतिदिन बैठकों का दौर भी जारी हैं। वहीं यात्रा को अद्भुत, अलौकिक व अविस्मरणीय बनाने के लिए आम भक्तों से भी सुझाव मांगे जा रहे हैं। तीन दिनों तक वीर बगीची में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में विग्रह अभिषेक, दीप दान उत्सव, हनुमान यात्रा, स्वर्ण श्रृंगार के साथ ही महाप्रसादी का आयोजन होगा। राजभवन

की थीम पर वीर अलीजा सरकार का दरबार सजाया जाएगा साथ ही तीनों ही दिन अलीजा सरकार अलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शन देंगे। हनुमान जयंती महोत्सव पर अलीजा सराकर का स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा जो यहां आने वाले भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। गादीपति ब्रह्मचारी पवनानंद महाराज ने बताया कि वीर बगीची में आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव ब्रह्मलीन ब्रह्मचारी 1008 कैलाशानंद महाराज, ब्रह्मचारी ओंकारानंद महाराज एवं ब्रह्मचारी प्रभुवानंद सद्गुरूदेव भगवन की प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। तीर्थ क्षेत्र स्थित वीर अलीजा हनुमान मंदिर से पहली बार निकलने वाली हनुमान यात्रा के लिए भक्त मंडल के साथ-साथ आम भक्तों से स्वरूप, क्रम, मंच, यातायात सहित अन्य व्यवस्थों के लिए सुझाव भी लिए जा रहे हैं। यात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन भी भक्त मंडल द्वारा किया जा रहा है।

विग्रह अभिषेक से प्रारंभ होगा महोत्सव ; महाप्रसादी से समापन

गादीपति ब्रह्मचारी पवनानंदजी महाराज ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव पर आयोजित महोत्सव की शुरूआत गुरूवार 10 अप्रैल को प्रातः 7 बजे विग्रह अभिषेक से होगी। वहीं शाम 7 बजे दीप दान उत्सव मनाया जाएगा। जिसमें अलीजा सरकार के भक्त अपने घरों से दीपक लाएंगे व दरबार आकर उसे रोशन करेंगे। शुक्रवार 11 अप्रैल को प्रातः 6 बजे वीर बगीची दरबार से हनुमान यात्रा निकाली जाएगी।

नेशनल सीनियर हेतु मध्यप्रदेश महिला हैंडबॉल टीम घोषित

इन्दौर। उत्तरप्रदेश के हाथरस में आयोजित आयोजित सीनियर राष्ट्रीय महिला हैंडबॉल प्रतियोगिता के लिए मध्यप्रदेश हैंडबॉल टीम की घोषणा मध्यप्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक जैन व महासचिव हरदीप सिंह रुप्पल ने की। चयनित टीम में मोनिका ठाकुर कप्तान को कप्तान व काजल मिश्रा, श्वेता बिल्लौरे, सरिता चौहान, शिवरानी यादव, शिवानी सिंह, सुधा सिंह, मोनिका मरावी, सृष्टि सिंह, वंशिका यादव, दिशा तेकाम, ऋतु कुशराम, ज्योति सिंह, संगीता उइके, मिथलेश, आरूणी बाथरी, मोनिका, बबली शाक्य खिलाड़ी हैं। कोच दुर्गा तिवारी व मधु करोले रहेंगी। प्रतियोगिता हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के तत्वाधान मे उत्तरप्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित की जा रही है।

साहित्यकार दिनेश तिवारी गौतम सम्मान से सम्मानित

इन्दौर। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष वीरेंद्र व्यास की अध्यक्षता में महर्षि गौतम पर आयोजित एक कार्यक्रम में गुर्जर ब्राह्मण सांस्कृतिक संगठन न्यास द्वारा साहित्यकार दिनेश तिवारी उपवन को गौतम सम्मान प्रदान किया गया। अतिथियों ने साहित्यकार तिवारी का शाल, श्रीफल, मोतियों की माला और मालवी केसरिया पगड़ी पहनाकर सम्मान किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद थे।

एमआर-12 कैलोद हाला रेलवे क्रासिंग पर आरओबी को लेकर इंदौर विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त बैठक सम्पन्न

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज एमआर-12 कैलोद हाला रेलवे क्रासिंग पर आरओबी को लेकर संभागायुक्त कार्यालय में इंदौर विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग की संयुक्त बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता(ब्रिज) श्री जी.पी. वर्मा तथा मुख्य अभियंता श्री सी.एस. खरत, एक्जीक्यूटिव इंजीनियर श्री पी.एन. पांडे, अधीक्षण यंत्री श्री अनिल कुमार जोशी सहित

संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने एमआर-12 कैलोद हाला आरओ ब्रिज के निर्माण की प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि एमआर-12 कैलोद हाला पर बढ़ते यातायात को देखते हुए 6 लेन ब्रिज का निर्माण किया जायेगा। इसे एक ही निर्माण एजेंसी बनायेगी। ब्रिज का इलाइनमेंट इस तरह किया जायेगा कि यातायात की दृष्टि से यह सुरक्षित बनें। बीआरटीएस में विभिन्न स्थानों पर फलाई ओवर बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में संभागायुक्त श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सिंहस्थ के पहले खंडवा रोड़ चल रहे सभी तरह के निर्माण कार्यों और संधारण का कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाये। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण के सहायक यंत्री श्री राजेश कुमार, कंसलटेंट श्री दीपेन्द्र सिंह तौमर, प्रोजेक्ट समन्वयक श्री जितेन्द्र जोशी आदि ने भी अपने विचार एवं सुझाव रखें।

मणिकर्ण हादसा : दरकते पहाड़ बेमौत मरते लोग दोषी कौन ?

नरेंद्र भारती

ग्लोबल हेराल्ड

पल भर में ही लाशों के ढेर लग गए और जिन्दा मानव चिथड़ों में बदल गए शव क्षत विक्षत हो गए' चारों तरफ चीखो पुकार मच गई लोग एकदम दफन हो गए धार्मिक नगरी श्मशान बन गई' कैसी विडंबना है की नवरात्रि के पहले दिन धार्मिक मनीकरण में छः लोग काल के गाल में समा गए बंगलुरु से घूमने आये पर्यटकों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा की उनकी इतनी दर्दनाक मौत होगी ' फितरती व लालची मानव पहाड़ों का सीना छलनी कर रहा है और दरकते पहाड़ लोगों की जिंदगी लील रहे हैं पहाड़ों से छेड़छाड़ मत कीजिये अगर छेड़छाड़ बंद नहीं की तो प्रतिदिन हादसे होते रहेंगे ' चट्टाने काल बनकर बेकसूर लोगों को मौत के घाट उतार रही हैं' भरमौर से लेकर किन्नौर तक पहाड़ो से चट्टानें गिर रही हैं और लोग बेमौत मारे जा रहे हैं ' ताजा घटनाक्रम में कल रविवार को मनीकरण में पहाड़ी से अचानक विशालकाय पेड़ गिरने से छः लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और छः लोग घायल हो गए यह हादसा गुरुद्वारा साहिब के नजदीक हुआ इस पेड़ की चपेट में आने से बेमौत मारे गए मरने वालों में ज्यादातर पर्यटक थे कुछ स्थानिय लोग भी हैं यह पर्यटक बंगलुरु के रहने वाले थे इनमें तीन महिलाएं और तीन पुरुष हैं ' यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले काफी दर्दनाक हादसे हो चुके हैं लेकिन कोई सबक नहीं सीख रहा है अगर पिछले हादसों से सबक लिया होता तो आज यह हादसा नहीं होता और लोग असमय नहीं मारे जाते ' 2024 में चंडीगढ़ -मनाली हाईवे पर नौ मील के पास देर रात हादसा हो गया केलांग से शिमला जा रही सरकारी बस पर चट्टान गिरने से तीन सवारियां घायल हो गई थी बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था ' गनीमत रही की कोई बड़ा हादसा होने से टल गया था ' साल 2023 में भी एक कार पर बड़ी चट्टान गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी ' किन्नौर में भी ऐसा ही हादसा हुआ था जहाँ दो लोग चट्टान के नीचे दब कर मारे गए थे ' हनोगी के पास भी एक कार पर विशालकाय पत्थर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी 'भरमौर में भी ऐसा दर्दनाक हादसे में तीन लोग मारे गए थे ' यह हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं सरकार व प्रशासन को इन हादसों पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि भविष्य में इन दर्दनाक हादसों पर रोक लग सके ' फोरलेन के लिए.सड़क को चौड़ा करने के लिए पहाड़ों को मशीनों से काटा जा रहा और पहाड़ से बड़े बड़े पत्थर गिर रहे हैं ' गत वर्ष बरसात में काफी लोग अपनी जान गंवा चुके हैं लेकिन यह कार्य नहीं रुक रहे हैं 'गत वर्ष 12 अगस्त 2017 की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा। 12 अगस्त 2017 काली रात को कोटरोपी में प्रकृति का कहर सैकडों अनमोल जिंदगियां लील गया था।पठानकोट -मंडी नेशनल हाईवे 154 के कोटरोपी में चलती बसों पर पहाड़ गिरने से 48 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली गमगीन था।12 अगस्त की काली रात को प्रकृति ने ऐसा कहर मचाया की पल भर में यात्रियों को मौत की नींद सुला दिया था।यात्रियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि कोटरोपी में मौत उनका इंतजार कर रही है।पहाड़ गिरने से चंबा से मनाली तथा मनाली से कटडा. जा रही दो बसे दब गई थी। सैंकडों यात्री जमीदोज हो गए थे बसों में लाशे क्षत-विक्षत हो चुकी थी तथा टुकडों में तब्दील हो चुकी थी।चारों तरफ चीखो पुकार मची हुई थी लोग अपनों को बदहवाश होकर ढूढ रहे थे मगर उनके सगे-संम्बधी चिर निंद्रा में सो चुके थे।हर तरफ लाशें दफन हो चुकी थी। प्रकृति ने ऐसी तबाही मचाई थी कि जीते जागते इंसान चिथडों में बदल गए थे तबाही का ऐसा मंजर बहुत ही भयानक था जिसे लोग ताउम्र नहीं भूल सकते आखों के सामने देखते ही देखते लोग मौत के आगोश में समा गए थे बसें जमीदोज हो गई थी ।46 शव निकाले गए थे। पहाड़ के मलवे से लोगों के आशियाने धरसशाही हो गए थे गनीमत रही की किसी की जान नहीं गइ थी।अभागे यात्री अपने गतब्व पर पहुचने से पहले ही हादसे का शिकार हो गए थे।उनका सफर कोटरोपी में खत्म हो गया था। 12 अगस्त की काली रात प्रदेश वासियों को कभी नहीं भूलेगी।इस हादसे में कुल्लु की महिला ने अपने तीन बच्चे खो दिये थे वे अपने दादा के पास चंबा गए थे। ।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं।इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में देश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गई।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है। सरकार को चाहिए की प्रत्येक गांव से लेकर शहरो तक आपदा प्रबंधन कमेटियां गठित करनी चाहिए जिसमें डाक्टर नर्स व अन्य प्रशिक्षित स्टाफ रखना चाहिए ताकि व त्वरित कारवाई करके लोगों को मौत के मुंह से बचा सके ।अक्सर देखा गया है कि जब तक आपदा प्रबंधन की टीमें घटना स्थनों पर पहुचती है तब तक बची हुई सासें उखड़ जाती है लाशों के ढेर लग जाते है।अगर समय पर आपदा ग्रस्त लोगों को प्राथमिक सहायता मिल जाए तो हजारों जिदंगियां बचाई जा सकती हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए सरकार को कालेजों व स्कूलों में भी माकड्रिल जैसे आयोजन करने चाहिए ताकि अचानक होने वाली आपदाओं से अपना व अन्य का बचाव किया जा सके।स्कूलो व कालेजों मे चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट एंड गाइड के स्वंयसेवियों को आपदा से निपटने के लिए पारगंत किया जाए।अगर यही स्वयसेवी अपने घर व गांवों में लोगों को आपदा से बचने के तरीके बताए तो काफी हद तक नुक्सान को कम किया जा सकता है। सरकार को चाहिए कि आपदा से बचाव के लिए प्रत्येक विभाग के कर्मचारियों को पूर्वाभ्यास करवाया जाए ताकि समय पर काम आ सके।पुलिस व अग्शिमन के कर्मचारियों को भी समय पर ऐसे आयोजन करते रहना चाहिए।अगर सभी लोग आपदा से बचाव के तरीके समझ जाएगें तो तबाही कम हो सकती है।प्रकृति के प्रकोप से बचना है तो हमें अपनी जीवन शैली बदलनी होगी,छेड़छाड़ बंद करनी होगी।अगर अब भी मानव ने प्रकृति पर अत्याचार बंद नहीं किया तो प्रकृति अपना बदला लेती रहेगी और मानव को सबक सीखाती रहेगी। बादल फटते रहेंगे, बाढ़े आती रहेगी वक़्त अभी संभलने का है 'चंडीगढ़ मनाली मार्ग पर पंडोह के पास बहुत ही खतरा बना रहता है की कब कहाँ से पत्थर मौत बनकर आ जाये इसकी कोई गारंटी नहीं होती प्रतिदिन हो रहे हादसों से लोग खौफ में हैं ' जुलाई में बरसात शुरू हो जाएगी फिर यह पत्थर गिरना शुरू हो जाते हैं और लोग बेमौत मारे जाते हैं ' पहाड़ों का काटना बंद कीजिये ' सरकार को चाहिए की खतरे वाले स्थानों पर आपदा सुरक्षा टीम तैनात करनी चाहिए और खतरे के समय लोगों को आगाह करती रहे ताकि ऐसे हादसों को रोका जा सके '

(वरिष्ठ पत्रकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

पति-पत्नी ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर। एक सनसनीखेज घटनाक्रम में पति पत्नी ने फांसी लगाकर जान दे दी। मामला पारिवारिक विवाद का बताया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा जांच कार्रवाई शुरू कर दी है। मामला छत्रीपुरा थाना क्षेत्र का है। छत्रीपुरा थाना पुलिस के अनुसार गब्बर पिता मांगीलाल यादव उम्र पैंतालीस साल और उसकी पत्नी सपना यादव निवासी सेठी नगर ने दोपहर में अपने घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। गब्बर फर्नीचर का काम करता था वहीं सपना हाउस वाइफ है। उनके दो बेटी और एक बेटा है। परिजनों के अनुसार गब्बर के तीन भाई और हैं। जिसमें संतोष और राजू उससे बड़े और दिनेश छोटा है। सभी अलग-अलग रहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

सांसद लालवानी के निर्वाचन को शून्य घोषित करने की याचिका में लालवानी के आवेदन पर याचिकाकर्ता से मांगा जवाब

इन्दौर। हाइकोर्ट में इन्दौर के सांसद शंकर लालवानी के निर्वाचन को शून्य घोषित करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान सांसद शंकर लालवानी ने आवेदन प्रस्तुत करते कहा कि याचिका चलने योग्य ही नहीं है, इसे निरस्त किया जाए। कोर्ट ने सांसद के इस आवेदन पर याचिकाकर्ता से इस संबंध में दो सप्ताह में जवाब मांगा है। लालवानी ने वरिष्ठ अधिवक्ता और पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता मनोज द्विवेदी के माध्यम से यह आवेदन लगाया था। ज्ञात हो कि गत लोकसभा चुनाव में निर्वाचित लालवानी के खिलाफ यह चुनाव याचिका धर्मेंद्र सिंह झाला ने दायर की है। झाला ने लोकसभा चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में इंदौर लोकसभा क्षेत्र से नामांकन फार्म भरा था। लेकिन उनका नामांकन निर्वाचन अधिकारी ने सूची से बाहर कर दिया था। जिसे उन्होंने गलत बताते लालवानी का निर्वाचन शून्य घोषित करने हेतु यह याचिका लगाई। उन्होंने याचिका में कहा है कि जिला निर्वाचन अधिकारी ने उनका नाम गलत तरीके से प्रत्याशियों की सूची से बाहर किया है। नाम वापसी के फार्म पर उनके हस्ताक्षर भी नहीं थे और फार्म पर उनके पिता का नाम भी अलग था। झाला ने याचिका में कोर्ट से कहा है कि मैंने नामांकन वापस लिया ही नहीं, बावजूद मेरा नाम प्रत्याशियों की सूची से बाहर कर दिया गया। अतः लालवानी का निर्वाचन शून्य घोषित किया जाए।

इन्दौर। शहर में चन्द्रभागा हनुमान मंदिर से कलालकुई मस्जदि तक मार्ग चौड़ीकरण के लिए नगर निगम के रिमुव्हल दस्ते ने मंगलवार को करीब 36 मकानों के बाधक हिस्सों को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में निगम के रिमुव्हल दल ने 5 पोकलेन और 4 जेसीबी की मदद से इस कार्रवाई को अंजाम दिया। 9 करोड़ की लागत से इस मार्ग को 18 मीटर चौड़ा किया जायेगा।

संभागायुक्त के समन्वय से एम.आर. 12 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण के संबंध में महत्वपूर्ण निर्णय

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह के समन्वय से आज शहर के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय हुआ। आज संभागायुक्त कार्यालय में आईडीए की योजना टीपीएस 08 स्थित मुख्य मार्ग एम.आर. 12 पर रेल्वे ओव्हर ब्रिज के संबंध में बैठक श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में रेल्वे ओव्हर ब्रिज निर्माण के संबंध में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान में यातायात की सुगमता को दृष्टिगत रखते हुए बोर्ड संकल्प पारित कर एम.आर. 12 के एलाइनमेंट में संशोधन का जो प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत किया गया है, उसके अनुरूप ही रेल्वे ओव्हर ब्रिज का निर्माण किया जायेगा। ब्रिज 06 लेन ही बनाया जायेगा, ताकि भविष्य में यातायात की समस्या उत्पन्न न हो। पीडब्ल्यूडी ब्रिज डिविजन द्वारा इस रेल्वे ओव्हर ब्रिज के तीन लेन जीएडी रेल्वे से स्वीकृति प्राप्त कर बनाया जायेगा।

इंदौर। भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2023 बैच के प्रशिक्षु आईएएस के दल ने आज संभागायुक्त श्री दीपक सिंह से भेंट की। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने इंदौर संभाग सहित प्रशासनिक सेवा से संबंधित विषयों पर चर्चा की एवं मार्गदर्शन दिया।

आरोपियों के विरूद्ध NDPS ACT के तहत क्राईम ब्रांच इंदौर में अपराध पंजीबद्ध

क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस की कार्यवाही में MD drugs सप्लायर आरोपी गिरफ़्तार

प्रकरण में कुल 02 आरोपी गिरफ्तार एवं दोनों आरोपी ड्रग्स का नशा करने का आदि है

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में अपराध नियंत्रण हेतु इंदौर कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं इनकी गतिविधियों में संलिप्त बदमाशों के विरूध्द प्रभावी कार्यवाही के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में क्राईम ब्रांच टीम के द्वारा लगातार अवैध मादक पदार्थ के क्रयझविक्रय व इनमें संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे गोपनीय रुप से लगातार असूचना संकलन कर कार्यवाही की जा रही हैं।

इसी कड़ी क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा पूर्व में आरोपी (1). मोहम्मद लियाकत उम्र 48 वर्ष निवासी खजराना ,इंदौर,को पकड़ा था जिसके कब्जे से 14.68 ग्राम MD Drugs, Hero Homda दो पहिया वाहन, 01 मोबाइल आदि जप्त कर, थाना अपराध शाखा में धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर, विवेचना में लिया गया था।

उक्त प्रकरण में आरोपी लियाकत से अवैध मादक पदार्थों के स्त्रोत व नेटवर्क के संबंध में पूछताछ करते उसने अपने साथी आरोपी (2).मो.आसिफ उर्फ पप्पू कुरैशी उम्र 35 साल निवासी खजराना पैलेस इन्दौर का नाम बताया था जिसे तकनीकी जानकारी के आधार पर क्राईम ब्रांच के द्वारा गिरफ्तार किया गया। पूछताछ करते आरोपी मो. आसिफ ने बताया कि वह 8 वी तक पढ़ा है और प्रॉपर्टी ब्रोकर कार्य के साथझसाथ राजस्थान से ड्रग्स तस्करों से सम्पर्क कर सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर नशे के आदि लोगों को इंदौर एवं आसपास के क्षेत्रों में महंगे दामों पर सप्लाई कर रूपए की कमाई करना कबूला है। उक्त प्रकरण में पूछताछ सहित अग्रिम वैधानिक कार्यवाही क्राइम ब्रांच के द्वारा की जा रही है संलिप्तता के आधार पर गैंग के अन्य सदस्यों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

इन्दौर में महाबली पराक्रमी दंगल 5 अप्रैल को

छोटा नेहरू स्टेडियम में होगा कुश्ती का महामुकाबला

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

केंद्रीय सांई सेवा समिति धार्मिक एवं मानव सेवा ट्रस्ट द्वारा सांईलीन स्व. सुरेंद्र पाठक की स्मृति में देवी अहिल्या की नगरी इन्दौर में शनिवार 5 अप्रैल को महाबली पराक्रमी दंगल का भव्य आयोजन किया जा रहा है। नेहरू स्टेडियम स्थित छोटा नेहरू स्टेडियम में शाम 4 बजे से आयोजित होने वाले इस दंगल में शहर की अनेक व्यायाम शालाओं के उस्ताद, खलिफा व पहलवानों को इस दंगल में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है। दंगल आयोजक अध्यक्ष गौतम सुरेंद्र पाठक एवं विनीता पाठक ने बताया कि औद्योगिक राजधानी इन्दौर में जहां व्यापार-व्यवसाय फल-फूल रहे हैं तो वहीं कुश्ती कला लुप्त होती जा रही हैं। कुश्ती कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्री केंद्रीय साईं सेवा समिति ने छोटे नेहरू स्टेडियम पर भव्य दंगल आयोजित किया है। इस दंगल में रेसलिंग के जाने माने रेसलर द ग्रेट खली भी शामिल होंगे। दंगल के दौरान खली सभी पहलवानो को कुश्ती कला के गुर भी बताएंगे व सिखायेंगे। छोटा नेहरू स्टेडियम में आयोजित इस दंगल की विशेषता यह है कि इसमें पुरूष पहलवानों के साथ-साथ महिला पहलवानों की कुश्ती भी देखने को मिलेगी। दंगल में महाराष्ट्र, हरियाणा, हरदा, मालेगांव, खंडवा, सिहौर, देपालपुर, पंजाब, महू, देवास सहित अन्य राज्यों के पहलवान दांव-पेच दिखाएंगे।

जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अतुल दुबे को नियुक्त किया गया मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्यप्रदेश शासन सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा मध्य प्रदेश कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (टढ-उएफ्ळ) का गठन किया गया है। यह टीम सूचना प्रौद्योगिकी सुरक्षा संबंधित विषयों पर सशक्त एवं केंद्रीकृत स्वायत्त संगठन के रूप में कार्य कर रही है। इस अनुक्रम में साइबर सुरक्षा के बढ़ते महत्व को ध्यान में रखते हुए समस्त जिलों में डिजिटल संचालन एवं सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री अतुल दुबे

को इंदौर जिले का मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया गया है । यह नियुक्ति अपर मुख्य सचिव मध्यप्रदेश शासन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे के आदेश के परिपालन में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा की गई है। मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी द्वारा विभागीय आईटी संबंधित कामकाज का रिव्यू किया जायेगा। रिस्क असेसमेंट तथा प्रक्रियाओं से संबंधित जानकारी एकत्रित कर उनमें सुधार कार्य हेतु अनुशंसा की जा सकेगी। विभागीय पोर्टल एवं अन्य आईटी कामकाज से संबंधित ऑडिट एवं टेस्टिंग संबंधी कार्य भी किए जा सकेंगे। इसके अलावा आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर में जिन चीजों की आवश्यकता होगी उनका भी आंकलन किया जाएगा। साइबर क्राइम एवं संबंधित विषयों पर भी विशेष ध्यान दिया जा सकेगा।

Loan दिलाने के नाम पर कई लोगों से धोखाधड़ी करने वाला शातिर आरोपी क्राईम ब्रांच इंदौर की कार्यवाही में गिरफ्तार

'जय विनायक एसोसिएट' के नाम से शिव सिटी, राजेंद्र नगर इंदौर से संचालित हो रहा था आरोपी का ऑफिस

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर शहर में लोगों के साथ हो रहे फ्रॉड और धोखाधड़ी संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के दिशा निर्देशन में क्राईम ब्रांच इंदौर पुलिस के द्वारा संबंधित अपराधों में आरोपियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी अनुक्रम में इंदौर के शिकायतकर्ता हरगुंदास आहूजा एवं हेमंत के द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के पास जनसुनवाई में शिकायत की गई थी उनके साथ अनावेदक नितिन व्यास के द्वारा लोन दिलाने के नाम से अमानत में खयानत कर धोखाधड़ी की गई है।

शिकायत जांच में ज्ञात हुआ कि आरोपी नितिन व्यास जिसका ?जय विनायक एसोसिएट? के नाम से शिव सिटी में ऑफिस है के द्वारा आवेदक (1).हार्गुनदास आहूजा को झांसे में लेकर कहा कि मैं इंदौर स्थित सभी बैंकों से लोन जल्दी और कम प्रोसेसिंग फीस में करवा दूंगा, और 4 करोड़ रुपए लोन दिलाने के नाम से लोन प्रोसेसिंग फीस के रूप में 8 लाख रुपए और निजी दस्तावेज प्राप्त कर, आवेदक को

न तो लोन कराया, न 8 लाख रुपए वापस किए , इस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया ।

(2).इंदौर के निवासी आवेदक हेमंत जो कि फ्रूट्स का ठेला लगाते है को 12 लाख रुपए लोन की आवश्यकता होने से आरोपी नितिन से संपर्क किया आरोपी नितिन के लोन प्रोसेसिंग फीस के रूप में आवेदक से 1 लाख 45 हजार रुपए प्राप्त कर, आवेदक को न तो लोन कराया, न आवेदक के रुपए वापस किए , इस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया ।

(3).इंदौर के निवासी आवेदक मोहित वर्मा को आरोपी नितिन ने अपनी कंपनी जय विनायक एसोसिएट के नाम से बनी 10 करोड़ की ऋद्धदिखाकर, रुपए एक सप्ताह लौटने के नाम से 8 लाख रुपए प्राप्त कर न आवेदक के रुपए वापस किए , इस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया ।

(4).इंदौर के निवासी आवेदक क्रांति उज्जैनी को 10 लाख रुपए लोन की आवश्यकता होने से आरोपी नितिन से संपर्क किया आरोपी नितिन के लोन प्रोसेसिंग फीस के रूप में आवेदक से 55 हजार रुपए प्राप्त कर, आवेदक को न तो लोन कराया, न आवेदक के रुपए वापस किए , इस प्रकार योजनाबद्ध तरीके से धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया।

भारत का नक्सलियों पर शिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान?

किशन सनमुखदास भावनानी

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

वैश्विक स्तर पर पूरी दुनियाँ 24 फरवरी 2022 से रूस-यूक्रेन युद्ध व 7 अक्टूबर 2023 से इजराइल- हमास युद्ध में भयंकर नतीजे किसी न किसी रूप में भुगत रही है,व ईरान- इजरायल तनाव के चलते पश्चिम एशिया इस्लामिक देशों सहित पूरी दुनियाँ चिंताओं में फंसी नजर भी आ रही थी। अगर सभी अंतरराष्ट्रीय मंच मिलकर कोई रणनीतिक एक्शन लेते तो आज बात इतनी गंभीर नहीं होती। परंतु जैसे ही ट्रंप राष्ट्रपति चुने गए इजराइल-हमास का युद्ध विराम हुआ और अब रूस-यूक्रेन के 30 दिनों के युद्ध हुए राम की तैयारी चल रही है,यानें जो मन में ठान लिया जाए वह क्रियान्वयन होता है अभी जैसे हमारे गृहमंत्री ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद, माओवाद जीरो टॉलरेंस नीति का प्रण लिया है उस पर तेजी से काम शुरू है, इसी कड़ी में वे 4-5 अप्रैल 2025 को फिर दंतेवाड़ा समीक्षा करने जा रहे हैं। ठीक उसी तरह अनेक देशों में घरेलू आतंकवाद माओवाद नक्सलवाद लंबे समय से चल रहा है, परंतु मेरा मानना है कि किसी भी देश नें इस तरह के युद्ध आतंकवाद हिंसात्मक गतिविधियों को जीरो टॉलरेंस नहीं कर पाया है,जिसका सबसे अधिक दुष्परिणाम आम आदमियों नागरिकों को ही भुगतना पड़ रहा है,जो वैश्विक स्तरपर या अपने ही देश में राज्य स्तरपर पलायन करते हैं जिनका स्थाई समाधान ढूंढना आज समय की जरूरत है। आज हम इस विषय पर बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकि दिनांक 4-5अप्रैल 2025 को इसी नक्सलवाद, माओवाद को टारगेट-2026 रणनीति जीरो टॉलरेंस की समीक्षा के तहत केंद्रीय गृहमंत्री केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी उप राष्ट्रीय सलाहकार केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के प्रमुखों सहित अनेको सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। बता दें पिछले दिनों केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ रायपुर दौरे पर 2026 तक माओवादियों नक्सलवादियों को जीरो टॉलरेंस के लिए नीति की बात कही थी। मेरा मानना है कि नक्सलवाद माओवाद आतंकवाद को जीरो ट्रेवल्स करना है तो उनके साथ आत्मसमर्पण रणनीति पर जोर देना अधिक उचित होगा जो एक रणनीति के तहत शुरू भी है और अनेक आत्मसमर्पण हुए भी हैं, हिंसात्मक कार्रवाई से पुलिस व नक्सलवादियों में आपसी तनाव व दुश्मनी बढ़ रही है। बता दें मैं खुद नक्सल प्रभावित महाराष्ट्र के गोंदिया जिला क्षेत्र से हूं तो मैं देखता हूं कि गांव में गांववासियों व वहां की लोकल दुकानों को सब कुछ मालूम होते हुए भी चुप रहते हैं। दुश्मनी केवल पुलिस व नक्सलियों के बीच ही दिखती है कभी नक्सली मारे जाते हैं तो कभी पुलिस वाले शहीद होते हैं जो दशकोंसे चला आ रहा है। अब पैटर्न बदलकर आत्मसमर्पण का जोरदार अभियान चलाना भी शुरू है हालांकि यह अभियान अभी भी तेजी से चल रहा है व हाल ही में सैकड़ो नक्सलवादी आत्मसमर्पण भी किए हैं परंतु इसे अनेक रणनीतियां बनाकर अधिक तेजी से चलने की जरूरत है,चूँकि टारगेट माओवाद - 31 मार्च 2026 भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति शुरू है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, टारगेट माओवाद 2026-भारत में नक्सलवाद जीरो टॉलरेंस नीति अंतिम पड़ाव में-गृहमंत्री का दंतेवाड़ा दौरा 4-5 अप्रैल 2025, भारत का नक्सलियों परशिकंजा कसने की रणनीति- मिट जाएगा नक्सलवाद का नामोनिशान। मेरा मानना है कि अब जरूरतहै, भारत में जिला स्तरीय दबंग माफियाओं सट्टा जुआ किंग्स पर भी रणनीतिक शिकंजा कसने उच्च स्तरीय बैठके समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम भारत में टारगेट माओवाद 2026 की करें तो,देश में नक्सली हिंसा को लेकर केंद्र सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है। सरकार का लक्ष्य देश को 31मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त करने का है, इसे लेकर गृहमंत्री 4 और 5 अप्रैल को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में एडवांस पोस्ट पर जाकर नक्सलमुक्त अभियान को लेकर मुआयना करेंगे, इसी के बाद 5 अप्रैल को गृहमंत्री छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के पूर्ण खात्मे के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन की समीक्षा भी करेंगे। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री सहित नक्सलवाद प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रभावित राज्यों के पुलिस के आला अधिकारी, अर्धसैनिक बलों और नक्सलवाद के खात्मे में लगे अधिकारियों के साथ गृहमंत्री बैठक करेंगे। बता दें, छतीसगढ़ के सुकमा में नक्सलियों के होने की सूचना पर 28 मार्च यानी शुक्रवार को डीआरजी और सीआरपीएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी सर्च अभियान में रवाना हुए थे,अभियान के दौरान शनिवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई,इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 16 नक्सलियों को ढेर किया है।सुकमा में नक्सलियों के खिलाफ चलाए गए अभियान को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट किया, उन्होंने कहा, नक्सलवाद पर एक और प्रहार! हमारी सुरक्षा एजेंसियों ने सुकमा में एक ऑपरेशन में 16 नक्सलियों को मार गिराया है और भारी मात्रा में स्वचालित हथियार बरामद किए हैं उन्होंने आगे कहा, पीएम के नेतृत्व में हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही उन्होंने, हथियार रखने वालों से अपील करते हुए कहा कि हथियार और हिंसा बदलाव नहीं ला सकते हैं, सिर्फ शांति और विकास से ही बदलाव लाया जा सकता है। बता दें कि सरकार की रणनीति की वजह से वामपंथी उग्रवाद हिंसा 73 प्रतिशत घटे हैं। साल 2010 की तुलना में 2024 में नक्सली हिंसा में मरने वालों की संख्या में 86 प्रतिशत की कमी आई है। सरकार की ओर से कहा जा रहा है कि नक्सली अब अपनी आखिरी लड़ाई लड़ रहे हैं। साल 2024 में अब तक सशस्त्र वामपंथी उग्रवादियों के खात्मे में सेक्युरिटी फोर्स ने अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। साल 2024 में अब तक 202 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों को मार गिराया गया है, जबकि 723 से अधिक वामपंथी उग्रवादियों ने सरेंडर किया है और 812 से अधिक को अरेस्ट किया गया है।बयान में कहा गया है कि 2024 में वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों की संख्या में काफी कमी आई है। यह घटकर 38 रह गई है ।केंद्र सरकार ने प्रभावित राज्यों के सुदूर क्षेत्रों तक विकास योजनाओं को पहुंचाने के लिए मोबाइल कनेक्टिविटी और सड़क को बढ़ावा देने सहित कई कदम उठाए हैं। राज्य सरकार की ओर से कहा गया है कि पीएम के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में वामपंथी हिंसा को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 4 अक्टूबर 2024 को अबूझमाड़ के जंगलों में हुई मुठभेड़ में एक साथ 31नक्सली मारे गए थे, फिर 28 मार्च 2025 को 16 नक्सलवादी मार गिराए गए । छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े नक्सल ऑपरेशन के बाद सुरक्षा बलों के हौसले आसमान पर हैं। साथियों बात अगर हम 4-5 अप्रैल 2025 को गृहमंत्री के छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा दौरे की करें तो, मीडिया से मिली जानकारी के मुताबिक वे 4 अप्रैल को दंतेवाड़ा जाएंगे। वे वहां बस्तर पंडुम के समापन कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह समारोह बस्तर की पारंपरिक संस्कृति और उत्सव का प्रतीक है। इनके दौरे को लेकर तैयारियां जोरों से चल रही है। वे नक्सलियों का एनकाउंटर करने वाले जवानों से भी मुलाकात कर सकते हैं।साथ ही वरिष्ठ पुलिसअधिकारियों की एक समीक्षा मीटिंग कर सकते है। चैत्र नवरात्र में मां दंतेश्वरी के दर्शन करने मंदिर भी जा सकते हैं।उनके सीजी दौरे की और अधिक जानकारी फाइनल शेड्यूल जारी होने के बाद ही यह क्लीयर हो सकेगी।इनके दौरे की तैयारियां दंतेवाड़ा के हाई स्कूल मैदान में चल रही हैं। लोगों के बैठने के लिए लगभग 132 फीट चौड़ा और 332 फीट लंबा विशाल डोम बनाया जा रहा है। वहीं, 72 फीट चौड़ा और करीब 40 फीट लंबा मंच भी तैयार हो रहा है। इसके अलावा 65300 के 2 और डोम बन रहे हैं, जिसमें स्टॉल लगाए जाएंगे। हाईस्कूल के आसापास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। जवानों के साथ डॉग स्क्वायड की टीम लगातार सर्चिंग कर रही है। साथियों बात अगर हम 2025 में मुठभेड़ में ढेर नक्सलवादियों के आंकड़ों पर एक नजर डालें तो, 4 जनवरी को अबूझमाड़ के जंगल में हुई मुठभेड़ में 5 नक्सलियों को जवानों ने ढेर किया था। 9 जनवरी को सुकमा-बीजापुर बॉर्डर पर हुई मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर हुए थे।12जनवरी को बीजापुर जिले में 5 नक्सली ढेर हुए थे।16 जनवरी को छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर पर पुजारी कांकेर में 18 नक्सली मारे गए थे।20-21 जनवरी को गरियाबंद जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी. इसमें एक करोड़ रुपये का इनामीनक्सली चलपति सहित 16 नक्सली ढेर हुए थे।1 फरवरी को बीजापुर में 8 नक्सली मारे गए थे।9 फरवरी को बीजापुर के जंगल में ही 31 नक्सली ढेर हुए हैं. ये इस साल का सबसे बड़ा एनकाउंटर है। 20 मार्च को कांकेर और बीजापुर में 22 नक्सली ढेर हुए हैं 28 मार्च 2025 को 16 नक्सली वाली ढेर हुए।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

वन विभाग को 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश के वन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में राजस्व प्राप्ति का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस वर्ष विभाग ने 1600 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2023-24 की तुलना में 200 करोड़ रुपये अधिक है। यह अब तक की सबसे अधिक राजस्व प्राप्ति है और पिछले तीन वर्षों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

लगातार बढ़ रही है वन विभाग की आय

सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, वन विभाग की आय में लगातार वृद्धि हो रही है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में विभाग ने 1425 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था, जबकि 2022-23 में यह आंकड़ा 1400 करोड़ रुपये था। वर्ष 2021-22 में 1444 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि वन विभाग की आय में हर वर्ष स्थिर वृद्धि दर्ज की जा रही है।

टिंबर से हुई सर्वाधिक आय

वन विभाग को प्राप्त राजस्व में सबसे बड़ा योगदान टिंबर (लकड़ी) की बिक्री से हुआ है। इस वर्ष विभाग ने केवल टिंबर की बिक्री से 850 करोड़ रुपये की कमाई की। वन विभाग की नीलामी प्रक्रिया और बढ़ती मांग के कारण टिंबर की बिक्री में यह वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, अन्य वानिकी उत्पादों और पर्यावरण से जुड़े शुल्कों से भी विभाग को महत्वपूर्ण आय प्राप्त हुई है।

ऑनलाइन और ट्रांसफर चालानों से बड़ी रकम- वन विभाग की आय में डिजिटल प्रणाली का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। ऑनलाइन चालानों से विभाग को 1528 करोड़ रुपये की आय हुई, जबकि ट्रांसफर चालानों के माध्यम से 763 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई। यह बताता है कि सरकार द्वारा राजस्व संग्रहण की प्रक्रियाओं को पारदर्शी और डिजिटल बनाने के प्रयास सफल हो रहे हैं।

सरकार की नीति और भविष्य की योजना- वन विभाग की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर विशेषज्ञों का कहना है कि यह सरकार की कुशल नीति और योजनाओं का परिणाम है। सरकार ने वन उत्पादों के प्रबंधन, पारदर्शी नीलामी प्रक्रिया और डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया है, जिससे राजस्व में वृद्धि हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भी वन विभाग की आय में वृद्धि जारी रह सकती है। सरकार नई योजनाओं के तहत वानिकी उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ावा देने की योजना बना रही है। इसके अलावा, जंगलों के सतत विकास और संरक्षण की नीतियों पर भी ध्यान दिया जा रहा है, जिससे राजस्व में और वृद्धि की संभावनाएं बन रही हैं।

मध्य प्रदेश में शुरू होगी मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा

राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी मे सरकार की पूंजी 101.20 करोड़

गांव गांव तक चलेंगी बसें, जिला स्तर पर होंगे निर्णय

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने नव संवत्सर वर्ष पर मध्य प्रदेश के नागरिकों को सुगम परिवहन सेवा उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। मध्य प्रदेश में बसों के संचालन के लिए राज्य स्तरीय होल्डिंग कंपनी बनेगी। इसमें मध्य प्रदेश सरकार 101.20 करोड रुपए पांच पूंजी में निवेश करेगी।

वर्तमान में 20 शहरों में चल रही 16 सक्रिय सिटी बस कंपनियों तथा 7 क्षेत्रीय कंपनियों को प्रस्तावित कंपनी में मर्ज किया जाएगा। होल्डिंग कंपनी के पास 51 फीसदी शेयर सरकार के होंगे। 49 फीसदी शेयर निजी निवेशकों के होंगे। मंत्रिमंडल ने रीवा और ग्वालियर की मोजुदा कंपनियों को बंद करने का निर्णय लिया है। उनके स्थान पर नई क्षेत्रीय कंपनियां बनाई जाएगी। मंत्रिमंडल निर्णय के अनुसार प्रत्येक जिले में यात्री परिवहन समिति का गठन होगा। इस समिति के अध्यक्ष प्रभारी मंत्री और समन्वयक कलेक्टर होंगे। समिति के सदस्यों में सांसद,विधायक, महापौर,नगर पालिका अध्यक्ष तथा जिला पंचायत के अध्यक्ष शामिल किए जाएंगे। राज्य स्तर पर जो होल्डिंग कंपनी बनेगी। वह संभागवार और जिलेवार परिवहन के रूट तैयार करेगी। जो बसों की संख्या तय करेगी। निजी बस ऑपरेटरों को टेंडर निकालकर बस के परमिट प्रदान करेगी। ऑनलाइन टिकट की सुविधा यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएगी। केश लेस भुगतान यात्री कर सकें, इसकी व्यवस्था भी करने का निर्णय मंत्रिमंडल ने लिया है। परिवहन व्यवस्था पर सही नियंत्रण हो। इसके लिए बसों की निगरानी और यात्री सुविधाओं को लेकर विशेष प्रयास किए जाने का निर्णय लिया है।

स्वास्थ्य, समृद्धि, खुशहाली, सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सद्भावना हेतु गायत्री परिवार करा रही यज्ञ

सेंधवा ■ निर्मला वर्मा

नवरात्रि के प्रारंभ होकर गायत्री शक्तिपीठ में नवरात्र में मां के नौ रूपो की आराधना, पूजा, अर्चना की जा रही है प्रतिदिन नगर के अलग अलग समाजों द्वारा सामूहिक यज्ञ किया जा रहा है जिसके तहत चतुर्थी नवरात्रि पर अग्रवाल समाज व ब्राह्मण समाज द्वारा यज्ञ किया गया ।

अग्रवाल समाज के सुनील अग्रवाल ने बताया कि प्रतिवर्षनुसार इस वर्ष भी अखिल विश्व गायत्री परिवार सेंधवा द्वारा चैत्र के नवरात्रि पर देश के सनातनियों के उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि, खुशहाली, सुरक्षा एवं राष्ट्रीय सद्भावना हेतु प्रतिवर्ष सूर्य अर्धदान, यज्ञ कर आहुति डाली जाती है । नवदिन होने वाले हवन में अलग अलग दिन अलग अलग समाजजनों के द्वारा हवन में सम्मिलित होकर आहुति डाली जा रही हैं । गायत्री परिवार के पंडित मेवालालजी, पूजा दीदी, दिलीप कनखरे ने व्यास मंच से हवन की विधि विधान से पूजन कराया । इसके साथ ही उत्तम स्वास्थ्य के लिए निमरस कल्प कराया जाता है इसका यह गुण होता है कि पूरे वर्ष शरीर में दाह, गर्मी, दाद खुजली व सभी प्रकार के ज्वर से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है का पान कराया जाता है । चैत्र नवरात्रि यज्ञ में अग्रवाल समाज के कैलाश एरन, गिरधारी गोयल, सुनील अग्रवाल, रमेश अग्रवाल, श्याम मंगल ओझर वाले, किशोर अग्रवाल, गिरीश मंगल, शैलेन्द्र अग्रवाल, गोविंद गोयल, चेतन गोयल, अजय अग्रवाल ब्राह्मण समाज से गिरवर शर्मा, सुनील शर्मा आदि मौजूद थे । यज्ञ समाप्ति पश्चात समाजबंधुओं ने साथ में फोटो भी खिंचवाई । इस अवसर पर गायत्री परिवार के सदस्य भी मौजूद थे ।

यज्ञ से जुड़ी कुछ खास बातें:

यज्ञ में देवता, आहुति, वेद मंत्र, ऋत्विक, और दक्षिणा का होना जरूरी है. यज्ञ किसी खास उद्देश्य, इच्छा की पूर्ति, और अनिष्ट को टालने के लिए किया जाता है. यज्ञ के जरिए मनोवांछित फल प्राप्त किए जाते हैं. यज्ञ के जरिए साधक को पवित्रता की प्राप्ति होती है. यज्ञ के जरिए परमार्थ परायणता का भी रहस्य समाया हुआ है. यज्ञ के जरिए विश्व कल्याण का शुभ कार्य किया जा सकता है. यज्ञ के जरिए मानव जीवन का लक्ष्य मोक्ष भी सुलभ हो पाता है. यज्ञ के जरिए समाज में सहकारिता, त्याग, और परोपकार की भावना बढ़ती है.

निगम के अतिक्रमण निरोधक अमले ने विभिन्न क्षेत्रों से हटाए अतिक्रमण

फ्लेक्स बोर्ड, चादर, बल्ली, ठेला, दुकानों के बाहर लगी

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्पलाईन व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के अनेक क्षेत्रों से अतिक्रमणों को हटाने की कार्यवाही करते हुए ठेले, गुमठी, फुलकी ठेला, फ्रूट ठेले, चार पहिया वाहन, फुटपाथ से सब्जी की दुकान, काउंटर, आईस्क्रीम की गाड़ी, दुकानों के बाहर रखा सामान व अन्य अतिक्रमण हटवाया तथा फ्लेक्स बोर्ड, चादर, बल्ली, ठेला, दुकानों के बाहर लगी त्रिपाल (पन्नी) व विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने मंगलवार को नेहरू नगर, न्यू मार्केट क्षेत्र, करोद हाउसिंग बोर्ड, हलालपुरा बस स्टेण्ड, गुफा मंदिर रोड, शाहजहांनाबाद स्टार शादी हॉल, एम.पी.नगर जोन-01, जहांगीराबाद, डीबी मॉल के. के. प्लाजा, रेल्वे स्टेशन प्लेटफार्म नं.-01 से बजरिया तक, कोलार डीमार्ट से फाईन एवेन्यू तक, कोलार बंजारी, जे.के. हास्पिटल, माता मंदिर, मैनिट चैराहा, डीजल टेंक वाईन शॉप, लिंक रोड नं. 01, 02, व 03, शाहपुरा, एम्स गेट नं.-03, आईटीआई तक ठेले, काउंटर, आईस्क्रीम की गाड़ी, दुकानों के बाहर रखा सामान व अन्य अतिक्रमण हटवाया तथा 04 फ्लेक्स बोर्ड, 12 चादर, 07 बल्ली, 01 ठेला, 60 दुकानों के बाहर लगी त्रिपाल (पन्नी) व विभिन्न प्रकार का सामान जप्त किया।

भोपाल के हताई खेड़ा में वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में मुस्लिम समुदाय के लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करते हुए।

दो माह बाद पुनः शुरू हुआ रोड का काम नपा अध्यक्ष ने की पूजा

सेंधवा ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्यमंत्री अधोसरंचना एवं कायाकल्प योजना के तहत पुराने एबी रोड पर डिवाइडर युक्त सीमेंट कंक्रीट रोड के कार्य को आज गति मिलते हुए रोड पर बेस हेतु पेवर मशीन से गिट्टी माला बिछाने का कार्य प्रारंभ हुआ । नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने नारियल फोड़ कर कार्य प्रारंभ करवाया ।

नपा से प्राप्त जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री अधोसरंचना एवं कायाकल्प योजना के तहत पुराने एबी रोड पर डिवाइडर युक्त सीमेंट कंक्रीट रोड के कार्य का वर्क आर्डर दिए जाने के बाद ठेकेदार द्वारा लेवल लेकर कार्य प्रारंभ कर रोड की खुदाई की गई । किंतु रोड खुदाई में करीबन दो माह से अधिक समय लगाने व सीसी रोड का कार्य प्रारंभ नहीं करने पर जनता में नाराजगी व आक्रोश व्याप्त होने पर सीएमओ मधु चौधरी ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा था कि ठेकेदार ने रोड की खुदाई कर कार्य को लंबित किया जा रहा है । जिसकी वजह से रोड पर यातायात का दबाव बढ़ गया है । रोड खुदाई से आधे स्थान पर कच्चा रोड आने से धूल उड़ रही है जिससे राहगीरों को व दुकानदारों को परेशानी आ रही है । जिसकी वजह से जनता में भी नाराजगी व्याप्त है । कार्य लंबित होने से दुकानदारों को भी परेशानी होकर उनके व्यवसाय पर भी असर हो रहा है अतः आप तत्काल कार्य प्रारंभ करें ताकि जनता को राहत मिले साथ ही कच्चे रोड पर जहां से धुल उड़ रही वहां पर दोनों समय पानी का छिड़काव किया जाने के निर्देश दिए । इसके बावजूद होली व भागोरिया पर्व के कारण मजदूर नहीं आने से कार्य प्रारंभ नहीं किया जा सका । सोमवार से ठेकेदार द्वारा कार्य प्रारंभ कर रोड को समतल कर बुधवार को रोड निर्माण हेतु पेवर मशीन द्वारा बेस का कार्य प्रारंभ किया गया । इस दौरान नपा अध्यक्ष बसंती बाई यादव ने पेवर मशीन की पूजा कर नारियल फोड़ा गया ।

महंगाई में पिसते कर्मचारी, राहत में नहाते सांसद: 2% बनाम 24% का गणित!

प्रियंका सौरभ

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

(दोहरे मापदंड! कर्मचारी परेशान, सांसद मालामाल)

सरकार ने जहां सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (DA) में मात्र 2% की वृद्धि की, वहीं सांसदों के भत्तों और वेतन में 24% की बढ़ोतरी कर दी। यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता में नाराजगी पैदा कर रहा है। कर्मचारियों के लिए 2% ऊँअ वृद्धि ऊंट के मुंह में जीरा समान। सांसदों को पहले से ही कई सुविधाएँ मिलती हैं, फिर भी वेतन में बड़ी बढ़ोतरी। सरकार जब आम जनता की राहत की बात आती है, तो बजट की कमी बताती है, लेकिन सांसदों के लिए खजाना खुला रहता है।

देश में महंगाई की मार लगातार बढ़ रही है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं, पेट्रोल-डीजल की कीमतें जेब हल्की कर रही हैं और आम आदमी सोच रहा है कि अगली सैलरी आएगी तो कौन-कौन से खर्चे टालने पड़ेंगे? लेकिन इस बीच सरकार ने दो अलग-अलग वर्गों के लिए दो अलग-अलग राहत पैकेज जारी कर दिए– सरकारी कर्मचारियों के लिए महज 2% महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाया गया। सांसदों के भत्तों और वेतन में 24% की बढ़ोतरी की गई।

यानी एक वर्ग को ऊंट के मुंह में जीरा, तो दूसरे को भरपूर दावत! यह विरोधाभास कर्मचारियों और जनता के बीच गहरी नाराजगी पैदा कर रहा है। सवाल यह उठता है कि महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए ही क्यों बढ़ी दिखती है? यह फैसला साफ तौर पर सत्ता पक्ष के हितों को साधने के लिए लिया गया है, जबकि आम जनता और कर्मचारियों को उनके हक से वंचित रखा गया है। मीडिया में भी यह मुद्दा सुर्खियों में है। प्रमुख समाचार चैनलों और अखबारों में 2% बनाम 24% का भेदभाव जैसे शीर्षक देखने को मिल रहे हैं। विशेषज्ञ इसे सरकार की जनविरोधी नीति करार दे रहे हैं।

सरकारी कर्मचारियों के लिए सिर्फ 2%—क्या यह मजाक है?

महंगाई भत्ते (DA) का मकसद कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई से राहत देना होता है। लेकिन जब खुदरा महंगाई दर 6-7% के पार जा चुकी है, तब महज 2% DA वृद्धि से कर्मचारियों को क्या राहत मिलेगी? यह ठीक वैसा ही है जैसे किसी भूखे इंसान को एक बिस्किट देकर कह दिया जाए—यही बहुत है!

सरकारी कर्मचारियों के संघों और यूनियनों का गुस्सा जायज है। वे लंबे समय से उचित वेतन वृद्धि और महंगाई भत्ते में वाजिब बढ़ोतरी की मांग कर रहे थे, लेकिन सरकार ने इसे टालने योग्य खर्च मानकर नाममात्र की वृद्धि कर दी। अब कर्मचारी संगठनों के सामने कुछ बड़े सवाल खड़े हो गए हैं– क्या महंगाई सिर्फ सांसदों के लिए बढ़ी है? जब कर्मचारियों का ऊँअ बढ़ाना हो, तो खजाना खाली क्यों दिखता है? क्या आम कर्मचारियों का योगदान सरकार के लिए कम हो गया है?

सांसदों को 24% की राहत—किसके पैसे से?

अब जरा सांसदों की स्थिति पर नजर डालें। सांसदों को पहले से ही कई भत्ते और सुविधाएँ मिलती हैं—फ्री हवाई और रेल यात्रा सरकारी बंगले और दफ्तर स्टाफ सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था अलग से चिकित्सा और पेंशन लाभ, इतनी सुविधाओं के बावजूद, उन्हें वेतन और भत्तों में 24% की बढ़ोतरी दी गई। यह एकतरफा फैसला जनता और कर्मचारियों के साथ अन्याय की ओर इशारा करता है। सवाल उठता है कि जब देश की अर्थव्यवस्था सुधारने की बात हो रही है, तब सांसदों के वेतन में इतनी बड़ी वृद्धि का औचित्य क्या है?

जनता और कर्मचारी बोले—यह अन्याय है!

सरकारी कर्मचारियों और आम जनता के बीच इस फैसले को लेकर जबरदस्त आक्रोश है। सोशल मीडिया पर सरकार को घेरने वाले मीम्स और पोस्ट्स की बाढ़ आ गई। ट्विटर और फेसबुक पर लोग कह रहे हैं—महंगाई सबके लिए बढ़ी है, लेकिन सरकार की नजर में सिर्फ सांसदों को ही राहत चाहिए! एक कर्मचारी बोलाः चलो, अब महंगाई को भी श्क्द्ध और आम आदमी में बांट दिया गया! एक और ट्वीटः अगर सांसदों को 24% बढ़ोतरी मिल सकती है, तो कर्मचारियों के लिए भी वही फॉमूर्ला लागू हो! यह सिर्फ वेतन वृद्धि का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाने का समय है। जब भी आम जनता को राहत देने की बात आती है, तब सरकारी खजाना खाली बताया जाता है, लेकिन जब खुद सांसदों की सुविधा बढ़ाने की बात हो, तो बजट की कोई चिंता नहीं होती!

क्या अन्य देशों में भी ऐसा होता है?

अगर अन्य देशों की बात करें, तो विकसित लोकतंत्रों में सांसदों के वेतन वृद्धि पर सख्त नियम होते हैं और यह आमतौर पर महंगाई दर के अनुरूप ही बढ़ाया जाता है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा जैसे देशों में सांसदों के वेतन को वेतन आयोग और स्वतंत्र आर्थिक संस्थाओं द्वारा तय किया जाता है, न कि सरकार द्वारा सीधे। भारत में सांसद अपने वेतन और भत्ते खुद निर्धारित करने की शक्ति रखते हैं, जिससे यह असंतुलन पैदा होता है। यही कारण है कि यह मुद्दा बार-बार जनता के आक्रोश का कारण बनता है।

अब आगे क्या?

सरकारी कर्मचारी यूनियन इस मुद्दे को लेकर विरोध प्रदर्शन करने की तैयारी में है। वेतन आयोग और नीति-निमार्ताओं पर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है ताकि ऊँअ वृद्धि को महंगाई दर के अनुरूप किया जाए। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार इस असमानता को दूर करने के लिए कोई ठोस कदम उठाएगी या फिर यह मुद्दा कुछ दिनों में दब जाएगा? इस फैसले ने साफ कर दिया है कि जनता की मेहनत की कमाई पर सबसे पहला हक नेताओं का ही बनता है। कर्मचारियों और जनता के साथ ऐसा दोहरा मापदंड क्यों अपनाया जा रहा है? आपको क्या लगता है—क्या यह फैसला जायज है, या कर्मचारियों के साथ मजाक? सरकार की प्रतिक्रिया पर भी नजरें टिकी हैं। राजनीतिक दृष्टिकोण से, यह मुद्दा जनता के असंतोष को बढ़ा सकता है, जिससे विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर मिलेगा। अगर सरकार इस फैसले को सही ठहराने की कोशिश करती है, तो यह कर्मचारियों और मध्यम वर्ग के बीच और ज्यादा नाराजगी पैदा कर सकता है।

न्यूज ब्रीफ

देवी मंदिरों और सिद्धपीठों में जगमगा रही अखंड जोत

छिंदवाड़ा। चैत्र नवरात्र पर पूरे जिले में आदिशक्ति मां की पूजा आराधना की जा रही है। सिद्ध पीठों और देवी मंदिरों में ज्योतियां जगमगा रही हैं। कलशों में जवारे बोकर नौ दिन के लिए प्रज्वलित की अखंड ज्योतियों के दर्शन करने भी लोग उमड़ रहे हैं। नवरात्र पर देवी के भक्त अपनी श्रद्धा से ये कलश और दीपक रखवाते हैं। छोटी बाजार स्थित बड़ी माता मंदिर में इस बार 201 मंगल कलश रखे गए हैं। मंदिर में मातारानी के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालु अखंडज्योतियों के दर्शन कर सिर नवा रहे हैं। रोज मंदिरों में सुबह शाम आरती में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। पंचमी के दिन सभी स्थानों पर विशेष पूजा अर्चना का कार्यक्रम रखा गया है।

संतोषी माता मंदिर में 551 दीपों से होगी आरती- चार फाटक स्थित श्री संतोषी माता मंदिर में चैत्र नवरात्र में 251 मनोकामना कलश स्थापित किए गए हैं। प्रतिदिन प्रातः एवं रात्रि में आरती के समय बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति माता रानी के दरबार में लगाई जाती है । पंचमी के दिन मंदिर में माता रानी की 551 दीपों से आरती की जाएगी । श्री संतोषी माता जनकल्याण समिति ट्रस्ट द्वारा मंदिर में भगवान श्री राम की सुंदर प्रतिमा स्थापित की गई है जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मंदिर पहुंच रहे हैं। गत दिवस सांसद विवेक बंटी साहू ने परिवार सहित मंदिर में उपस्थित होकर माता रानी के एवं भगवान श्री राम के दर्शन किए गए।

दो लापरवाह राजस्व निरीक्षकों के एक दिन का काटा जाएगा वेतन

बालाघाट। अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे ने मंगलवार को जिले के सभी राजस्व निरीक्षकों की बैठक आयोजित की। बैठक में लांजी क्षेत्र के दो राजस्व निरीक्षकों की अनुपस्थिति पर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने स्वामित्व योजना के तहत चल रहें ग्राउंड ट्रूथिंग के कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने एक एक राजस्व निरीक्षक से फॉर्मर आईडी, ई-केवायसी, कृषि संगणना, वन ग्राम से राजस्व ग्राम में संपरिवर्तन, वेटलैंड सहित अन्य प्रकरणों की जानकारी ली गई। इस दौरान भू-अभिलेख अधीक्षक स्मिता देशमुख मौजूद रही। बैठक में राजस्व निरीक्षकों के अलावा जूनियर डेटा इंट्री ऑपरेटर भी उपस्थित रहे।

मोटर साईकिल से गिरकर घायल हुए 25 वर्षीय युवक को, डायल-112/100 जवानों ने पहुँचाया अस्पताल

गुना। थाना धरनावदा क्षेत्र में सुखेत गाँव में हाइवे रोड पर मोटर साईकिल से गिरकर एक युवक घायल हो गया है, पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112/100 भोपाल में दिनाँक 01-04-2025 को प्राप्त हुई। सूचना प्राप्ति पर तत्काल धरनावदा थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112/100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल-112/100 स्टाफ सउनि धर्मेन्द्र सिंह एवं पायलेट घनश्याम ने मौके पर पहुँचकर बताया कि राजकुमार लोधा उम्र 25 वर्ष निवासी गौरा गाँव मोटर साईकिल से गिरकर घायल हो गया था। डायल 112/100 जवानों ने घायल युवक को एफ आर व्ही वाहन से ले जाकर रूठियाई अस्पताल में भर्ती करवाया । डायल 112/100 जवानों की तत्परता से घायल युवक को समय पर उपचार मिला ।

पुरानी रजिंश को लेकर आटो चालक ने ई-रिक्शा चालक पर चाकू से किया जानलेवा हमला

भोपाल। शहर के उपनगर बैरागढ़ थाना इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर आमने-सामना होने पर ई रिक्शा चालक और आटो चालक के बीच झगड़ा हो गया। विवाद बढ़ने पर आटो चालक ने ई-रिक्शा चालक पर चाकू से घातक वार कर उसे घायल कर दिया। थाना पुलिस ने बताया की गांधी नगर में रहने वाला कपिल मेघानी पिता किशोर मेघानी (32) ई रिक्शा चलाता है। वहीं आरोपी दुर्गेश निशातपुरा में रहता है, और ऑटो चलाता है। दोनों बैरागढ़ से सवारियां लेते हैं। कपिल और दुर्गेश का आपस में पुराना मनमुटाव चल रहा है। रविवार को बैरागढ़ रेलवे स्टेशन के सामने दोनो का आमना सामना होने पर पुरानी रजिंश को लकर विवाद हो गया।

माल गोदाम में आग का भीषण मंजर, लाखों का सामान हुआ जल कर राख

झाबुआ ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर थांदला जनपद क्षेत्र के ग्राम चैनपुरी के भंगार माल गोदाम में में बीती रात भीषण आग लग गई , परिणामस्वरूप माल गोदाम में भरा लाखों का सामान जलकर राख हो गया। थांदला सहित अन्य स्थानों से फायर ब्रिगेड बुलाई गई, और करीब सात घंटे में आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारण का अभी पता नहीं चल पाया है। गोदाम मालिक के अनुसार उसके गोदाम में करीब 40 लाख का माल भरा हुआ था, जो कि जलकर खाक हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर थांदला पुलिस मौके पर पहुंची, और राहत कार्य में जुट गई। भंगार के माल गोदाम में आग लगने की उक्त घटना मंगलवार एवं बुधवार की दरमियानी रात में घटित हुई, उस वक्त गोदाम मालिक का लड़का वहां सो रहा था, किंतु आग लगने के बारे में जब उसे पता चला, तब तक आग भीषण रूप धारण कर चुकी थी। आग का मंजर कितना भयावह था, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घटना स्थल के आसपास लगे गांव में भी आग की विकराल लपटें उठती हुई दिखाई दे रही थी, जिसे देखकर कुछ ही समय में वहां बड़ी संख्या में ग्रामीणजन इकट्ठा हो गए और आग बुझाने के कार्य में राहत दल की मदद करने लगे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, और फायर ब्रिगेड बुलाने के साथ ही राहत कार्य शुरू कर दिया गया। थांदला सहित आसपास के पेटलावद, मेघनगर आदि स्थानों से फायर ब्रिगेड बुलाया गया, किंतु बड़ी मशक्कत के बाद आज सबेरे तक आग पर काबू पा या जा सका। आग लगने के कारण का अभी तक कुछ भी पता नहीं हो पाया है। भंगार माल गोदाम के मालिक मिक्कू भाबर के अनुसार माल गोदाम में लगी भीषण आग में वहां रखा करीब 40 लाख रुपए का भंगार का समान जलकर राख हो गया है। भाबर के अनुसार घटना के वक्त उसका लड़का गोदाम के पास बने मकान में ही सोया हुआ था, और जब तक उसे इस बारे में पता चला, तब तक आग ने भीषण रूप धारण कर लिया था।

संदिग्ध हालात में मां-बेटे की मौत, ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप

रामपुरा में फंदे से लटके मिले मां और बेटे के शव

गुना ■ ग्लोबल हेराल्ड

जिले के राघौगढ़ क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 24 वर्षीय महिला और उसके दो साल के बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, लेकिन मृतका के मायके पक्ष ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है।

शिवानी नाम की महिला की शादी तीन साल पहले रामपुरा निवासी रामेश्वर लोधा से हुई थी। उनका एक दो साल का बेटा शिवाय भी था। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, रामेश्वर शराब का आदी था और नशे की हालत में अक्सर पत्नी से मारपीट करता था। बताया जाता है कि घटना से दो दिन पहले भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था, जिसके चलते पुलिस को भी बुलाया गया था।

मंगलवार रात फिर से दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद शिवानी अपने कमरे में चली गई। कुछ देर बाद जब ससुराल

वालों ने कमरे का दरवाजा खोला तो मां और बेटे के शव फंदे से लटके मिले। ससुराल पक्ष का कहना है कि उन्होंने तुरंत शिवानी को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे और उसके बेटे को मृत घोषित कर दिया।

पिता ने लगाया गंभीर आरोप- मृतका के पिता बुंदेल सिंह लोधा ने अपनी बेटी की मौत को आत्महत्या मानने से इनकार कर दिया है। उनका आरोप है कि शिवानी के ससुराल वालों ने उसकी हत्या की है। उन्होंने बताया कि शिवानी का पति उसे दहेज के लिए प्रताड़ित करता था और मारपीट करता था। घटना से कुछ घंटों पहले ही शिवानी ने पिता से फोन पर बात की थी और बताया था कि उसका पति फिर से मारपीट कर रहा है। पिता ने उससे घर आने की बात कही, लेकिन उसने कहा कि जरूरत पड़ी तो खुद बुला लेगी। बुंदेल सिंह का आरोप है कि उनकी बेटी की मौत के बाद भी ससुराल वालों ने उन्हें इसकी सूचना नहीं दी। वे शव को सीधे गुना जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जबकि पहले नजदीकी राघौगढ़ अस्पताल ले जाना चाहिए था। जब परिजनों को इस घटना की खबर लगी तो वे तुरंत अस्पताल पहुंचे, लेकिन उन्हें सही जानकारी नहीं दी गई।

शव पर चोट के निशान, जांच की मांग

मृतका के परिवार का कहना है कि अगर शिवानी ने खुद फांसी लगाई होती, तो उसके गले पर स्पष्ट निशान होते, लेकिन उनके अनुसार, उसकी गर्दन पर ऐसे कोई निशान नहीं थे। बल्कि, सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जो यह इशारा करते हैं कि उसके साथ कोई अप्रिय घटना हुई है। परिवार ने शिवानी के पति रामेश्वर लोधा, उसके ससुर चैन सिंह और अन्य ससुराल पक्ष के लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस कर रही जांच

घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मृतका के परिजनों की मांग है कि उन्हें जल्द न्याय मिले और दोषियों को सख्त सजा दी जाए।

बिना पढ़े पास हुए प्रस्ताव पर उलझा पेच, कांग्रेस दल का रहा विरोध

छिंदवाड़ा ■ ग्लोबल हेराल्ड

नगर निगम की साधारण परिषद की बैठक में पास हुए ९ प्रस्तावों का पेच उलझता नजर आ रहा है। एक ओर सत्तादल के पार्षद बहुमत जताते हुए सभी प्रस्तावों को पास होना बता रहे है वहीं विपक्ष इसे असंवैधानिक बताते हुए न्याय की गुहार लगा रहे है। इसी के चलते मंगलवार को कांग्रेस पार्षदों द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपा है। कांग्रेस पार्षदों का कहना है कि एमआईसी की बैठक में पास ९ प्रस्तावों को साधारण परिषद की बैठक में रखा गया था। बैठक में दो ही प्रस्ताव पढ़े गए इसके पश्चात सत्ता पक्ष भाजपा के पार्षदों ने अन्य प्रस्तावों पर बिना चर्चा के ही एक लाइन में इसके सभी नौ प्रस्तावों को पास कर दिया और वॉक आउट कर गए। इसके बाद निगम अध्यक्ष और कांग्रेस पार्षद बैठे रहे। बाद में अध्यक्ष ने सदन को स्थगित करने की घोषणा थी। अब परिषद के अध्यक्ष धमेन्द्र सोनू मांगों नियमों का हवाला देकर कह रहे है कि जब परिषद में प्रस्ताव पढ़े ही नहीं गए तो वह पास कैसे हो सकते है। इसी वजह से कांग्रेस पार्षद दल कलेक्टर से उक्त मामले में न्याय दिलाने की मांग कर रहे है।

बहुमत के आधार पर पास कर दिए प्रस्ताव- नगर निगम की मेयर इन काउंसिल ने बीती 25 मार्च को सम्पत्ति करों की दरों में 10 प्रतिशत वृद्धि, जल टैक्स में आवासीय में 175 रुपए प्रतिमाह के स्थान पर 260 रुपए, व्यावसायिक कनेक्शन में 600 रुपए के स्थान पर 780 रुपए, उपभोक्ता प्रभार में आवासीय 10 रुपए तथा व्यावसायिक 50 रुपए के स्थान पर अब गुमठी झोपड़पट्टी में 50 रुपए, आवासीय 100 रुपए, व्यावसायिक प्रतिष्ठान 150 रुपए तथा औद्योगिक प्रयोजन के लिए 250 रुपए रखने का प्रस्ताव पास किया था। इस प्रस्ताव पर विपक्ष के विरोध को देखते हुए सम्मेलन में टैक्स पर चर्चा का सभी को इंतजार था। पूरा शहर भी संशोधन के बारे में प्रतीक्षारत था, लेकिन भाजपा पार्षद दिवाकर सदारंग के द्वारा सभी पार्षदों को वॉक आउट करने का कहने से अन्य प्रस्तावों पर चर्चा नहीं हो पाई।

महापौर ने निगम अध्यक्ष को लिखा पत्र

निगम महापौर विक्रम अहके ने मंगलवार को निगम अध्यक्ष धमेन्द्र सोनू मागो को पत्र लिखकर बैठक की कार्यवृत्त जारी करने की बात कही है। महापौर द्वारा जारी पत्र में उन्होंने कहा है कि नगर निगम में २८ मार्च को साधारण परिषद की बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें ९ प्रस्ताव रखे गए थे। सभी प्रस्तावों को बहुमत के आधार पर पास किया गया था। वर्तमान में वित्तीय वर्ष २०२५-२६ प्रारम्भ हो चुका है। लेकिन अब तक निगम अध्यक्ष द्वारा बैठक की प्रोसीडिंग अब तक नहीं सौंपी गई है। जिससे निगम के कार्य में परेशानी हो रही है। अध्यक्ष जल्द ही प्रोसीडिंग सौंपे ताकि निगम का काम सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।

टी-स्टाल और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान पर मिली अवैध शराब

गुना। चांचौड़ा थाना क्षेत्र के एबी रोड कालापहाड़ स्थित पीताम्बरा टी-स्टाल और कोल्ड ड्रिंक्स की दुकान पर पुलिस ने चेकिंग के दौरान बिना लाइसेंस शराब बेचने का मामला पकड़ा। दुकान में एक कार्टून में पावर बीयर की 12 बोतल और एक कार्टून में हंटर बीयर के 6 केन बरामद किए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दिवस एसडीओपी महेंद्र सिंह गौतम द्वारा ग्राम कालापहाड़ स्थित ढाबों पर बिना लाइसेंस शराब बिक्री की सूचना मिलने पर पुलिस टीम के साथ मौके पर रवाना होकर जांच की गई। चेकिंग के दौरान पीताम्बरा टी-स्टाल के संचालक से पूछताछ की गई, जिसने अपना नाम रानू उर्फ रणधीर पुत्र रामसिंह मीना (उम्र 25 वर्ष), निवासी खातोली, थाना चांचौड़ा, जिला गुना बताया। आरोपी के कब्जे से पावर बीयर की 12 बोतल और हंटर बीयर के 6 केन, जिनकी कीमत लगभग 3600 रुपये है, को जब्त कर पंचनामा तैयार किया गया।

प्रचलित और नव स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करें- संभागायुक्त

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

संभागायुक्त संजीव सिंह ने प्रचलित एवं स्वीकृत जल संरक्षण कार्यों को पूर्ण करने,खेत तालाबों, अमृत सरोवरों के निर्माण एवं ऐतिहासिक धार्मिक तालाबों जलस्त्रोतों तथा देवालयों की साफ सफाई एवं जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पेयजल स्त्रोतों को जिओ टैग कर समेकित रूप से जानकारी संग्रह करने एवं सभी शासकीय विभागों के बिल्डिंग्स में रूफ टॉप रैन वाटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सिंह ने सभी संभागीय अधिकारियों को जिले में सहभागी विभागों द्वारा अभियान

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक संपन्न

हेतु प्रस्तावित गतिविधियों की कार्ययोजना तैयार कर निरंतर समीक्षा करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त संजीव सिंह ने मंगलवार को आयुक्त कार्यालय सभाकक्ष में जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक ली। बैठक में नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती अंजू अरुण कुमार, संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संभागायुक्त सिंह ने नगरीय विकास एवं आवास विभाग को शहरी क्षेत्रों के बिगड़े बाग बगीचों को चिन्हांकित कर हरित विकास करने, जल संरक्षण में युवाओं की भागीदारी हेतु अमृत मित्र बनाने एवं नदियों में मिलने वाले नालों के शोध की कार्ययोजना तैयार कर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने भूजल संवर्धन, नल जल योजनाओं के अंतर्गत पाइप लाइन लीकेज, टपकते नल ओर अपव्यय के निराकरण करने एवं पेयजल स्त्रोतों के पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ़्ट संरचना के निर्माण कार्य हेतु लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देश दिए।

संभागायुक्त सिंह ने औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के अधिकारी को औद्योगिक इकाइयों में रूफ टॉप वाटर हार्वेस्टिंग के प्रावधान का पालन करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल निकासी एवं प्रबंधन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। संभागायुक्त सिंह ने अधिकारियों को जन अभियान परिषद के साथ समन्वय स्थापित कर जल संचय और संवर्धन के महत्व और संवेदनशीलता का प्रचार-प्रसार कर जनसहभागिता से जल स्त्रोतों की सफाई और संरक्षण के कार्य करने के निर्देश दिए।

आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 पर कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुआ प्रशिक्षण

भोपाल ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा आरसीएच पोर्टल के नवीन संस्करण 2.0 के लिए प्रशिक्षण का आयोजन कलेक्टर कार्यालय भोपाल में मंगलवार को किया गया। प्रशिक्षण में नवीन अनमोल मोबाइल एप्लिकेशन एवं वेबपोर्टल के उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। इस पोर्टल का नवीन संस्करण लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा विकसित किया गया है।

अनमोल आरसीएच पोर्टल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जो गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और प्रसूताओं को दी जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की ट्रैकिंग और प्रबंधन को सरल बनाता है। नवीन संस्करण में गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण, हाई-रिस्क गर्भावस्था की पहचान, प्रसव संबंधी रिकॉर्ड, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की एंट्री की प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाया गया है। इससे जिले और राज्य स्तर पर इन सेवाओं की प्रभावी निगरानी की जा सकेगी।

अनमोल ऐप के विधिवत उपयोग से बेहतर मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाएगी। जिससे गर्भवती महिलाओं, प्रसूताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य का बेहतर प्रबंधन होगा। यह पोर्टल मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि पोर्टल के माध्यम से जननी सुरक्षा योजना और मुख्यमंत्री श्रमिक सेवा प्रसूति सहायता योजना के भुगतान को समग्र ई-केवाईसी आधारित बनाया गया है, जिससे पात्र हितग्राहियों को समय पर और पात्रतानुसार राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मादा तेंदुए की मौत का मामला : वन विभाग ने शुरू की जांच, अज्ञात वाहन की ठोकर से हुई थी तेंदुए की मौत

लामटा के खैरा-मैरा बीट अंतर्गत क्रमांक1186 से बरामद किया गया था शव

बालाघाट ■ ग्लोबल हेराल्ड

लामता परियोजना मंडल परिक्षेत्र लामता के खैरा-मैरा बीट में अज्ञात वाहन की ठोकर से एक मादा तेंदुए की मौत हो गई थी। यह घटना 29 मार्च की रात्रि की है। वन विभाग ने कक्ष क्रमांक 1186 से मृत तेंदुए का शव बरामद किया था। आवश्यक कार्यवाही कर शव का पीएम कराकर उसका दाह संस्कार कर दिया गया। इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले को जांच में लिया गया है।

संभागीय प्रबंधक डेविड चनाप के अनुसार परिक्षेत्र लामता के खैरा-मैरा बीट के कक्ष क्रमांक 1186 में बीते दिनों एक मादा तेंदुआ की मौत हो गई थी। हुई। मृत तेंदुए का शव नैनपुर-बालाघाट राजमार्ग क्रमांक 543 मुख्य मार्ग से लगभग 15 मीटर दूर वनक्षेत्र में मिला। एनटीसीए नई दिल्ली एवं कार्यालय मुख्य वन्यजीव अभिरक्षक मध्यप्रदेश, भोपाल से जारी दिशा-निर्देश अनुसार घटना स्थल की घेराबंदी कर घटना स्थल को सुरक्षित किया गया। इसके अलावा, घटना स्थल के आसपास के क्षेत्र में डॉग स्कावयड द्वारा निरीक्षण/परीक्षण कराया गया और उसके आस-पास छानबीन की गई। पोस्टमार्टम विशेषज्ञ पशु चिकित्सकों द्वारा वन्यप्राणी तेंदुए का शव परीक्षण किया गया और सेम्पल के रूप में मृत तेंदुए की लिवर, किडनी एवं अन्य अवयवों को फॉरेंसिक जांच हेतु सीलबंद किया गया। शव परीक्षण के दौरान वन्यप्राणी तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। प्रकरण में वन अपराध दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

वारासिवनी, लालबर्रा, लामता के संवेदनशील क्षेत्रों में लगे हैं कैमरे- वन विकास निगम संभागीय प्रबंधक डेविड चनाप ने बताया गया कि वन विकास निगम द्वारा वन्य प्राणियों की सुरक्षा के लिए लालबर्रा, लामता, वारासिवनी में संवेदनशील क्षेत्र चिन्हित किया गया है। इन क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ताकि वन्य प्राणियों पर निगरानी बनी रहे। सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही ना हो। उन्होंने बताया कि वन विकास निगम अपने समस्त बीटों पर समय-समय पर गश्ती दल के साथ गस्ती कर रहा है। वन्य प्राणियों की सुरक्षा को देखते हुए गश्ती को बढ़ा दिया गया है। बताया गया कि बालाघाट, मंडला बॉर्डर से लगे क्षेत्र में भी सामूहिक पेट्रोलिंग समय-समय पर किया जा रहा है अत्यधिक संवेदनशील इलाका जैसे तालाब के नजदीक तथा जिस इलाके में बाघ, तेंदुआ द्वारा पशु का शिकार किया जाता है उन इलाकों में अधिकतर वन विभाग सजगता दिखाते हुए गश्ती की जा रही है। हालांकि, वन्य प्राणियों का विचरण करना भीषण गर्मी के चलते पेयजल की तलाश में सडक पार करना बताया गया। इसी कारण अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मादा तेंदुआ की मौत होने की संभावना जताई जा रही है।

संपादकीय

न्याय मूर्तियों का अहंकार और बार के बीच तल्खी

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से न्यायपालिका और बार के बीच में तनाव देखने को मिल रहा है उसके कारण न्यायपालिका की साख आम जनता के बीच में लगातार गिरती जा रही है। न्यायपालिका की निष्पक्षता और न्याय, गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग, इस तरह की धारणा जनसामान्य में बनती चली जा रही है। शीर्ष अदालतों में जिस तरह से कुछ वरिष्ठ वकील और जजों के बीच में विभिन्न प्रकरणों में समन्वय देखने को मिलता है। उसके कारण बार के अन्य वकीलों में यह धारणा बनने लगी है। न्यायमूर्ति की कुर्सी पर बैठे हुए जज पूर्व धारणाओं के आधार पर अथवा संबंधों के आधार पर मामलों की सुनवाई करते हैं। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्तियों के रुख से पता चल जाता है। वह क्या फैसला करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी एक बार फिर चचाओं में आ गई हैं। सोशल मीडिया में उनको लेकर समय-समय पर उनके निर्णयों पर जो प्रतिक्रिया देखने को मिली है। वह अच्छी नहीं रही। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ताओं द्वारा समय-समय पर उनकी कोर्ट में सुनवाई के तौर तरीके और उनके निर्णयों को लेकर असहमति जताते हुए अपने प्रकरणो की सुनवाई दूसरे बेंच में ट्रांसफर करने का अनुरोध किया। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट मे जस्टिस बेला त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ में जिस तरह की स्थिति देखने को मिली, वह आश्चर्यचकित करने वाली थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता के एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड, सोमा सुंदरम को एक आपराधिक मामले में जिस तरह से फटकार लगाई। उसको देखते हुए सुप्रीम कोर्ट का बार एकजुट हो गया। बार के विरोध को देखते हुए खंडपीठ को अपने निर्णय में संशोधन करना पड़ा। अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम और भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत मद्रास हाईकोर्ट द्वारा जो आदेश पारित किया गया था, उसके विरोध में सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई थी। इस याचिका में आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने याचिका को खारिज करते हुए, दो सप्ताह के अंदर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। याचिका कर्ता ने विशेष अनुमति याचिका दायर कर आत्मसमर्पण करने के लिए छूट मांगी । जिस पर सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ बिफर गई। वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम के बारे में की टिप्पणी और आदेश, से वकीलों की नाराजी बढ़ गई। खंडपीठ ने न्यायालय प्रशासन में हस्तक्षेप मानते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता पी सोमासुंदरम एवं मधु कृष्णा के ऊपर अवमानना और अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का आदेश दिया। इससे वकील भड़क गए, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था। वकील साहब को अपनी बात रखे जाने का मौका दिया जाना चाहिए। खंडपीठ बिना सुने, उन्हें कैसे दोषी ठहरा सकती है। बार एसोसिएशन के सदस्यों का कहना था, कि खंडपीठ इस तरह से वकीलों का केरियर को खत्म नहीं कर सकती है। पिछले कुछ समय से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में जजों द्वारा वकीलों के ऊपर जुमार्ना लगाने अथवा कार्रवाई करने को लेकर वकीलों में पहले से ही नाराजी थी। इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। बिना सुनवाई याचिकाओं को खारिज किया जा रहा है, कास्ट लगाई जा रही है। बार काउंसिल के सदस्यों के यह धारणा बनने लगी है, जजों द्वारा पूर्व निर्धारित धारणा के आधार पर अनुचित कार्रवाई की जा रही है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों का बार सदस्यों के साथ जिस तरह का व्यवहार होता है,उससे लगता है कोर्ट वकील की दलील को सुनना भी नहीं चाहती है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ में एक वकील ने अदालत में कहा, कि मेरे विद्वान मित्र, इस पर न्यायमूर्ति बेला त्रिवेदी ने टोंकते हुए कहा, उन्हें विद्वान मित्र मत कहिए। हम परेशान और दुखी हैं, यह कहते हुए उन्होंने वकीलों के ऊपर नाराजगी जता दी। जिसके कारण वकील भड़क गए। पिछले कुछ वर्षों में बार के वकीलों और जजों के बीच में दूरियां बढ़ती चली जा रहीं हैं। सुनवाई के दौरान और फैसलों पर आम धारणा बनती चली जा रही है। वह संविधान, कानून और नियम के अनुसार न होकर सरकार के पक्ष में होते हैं। जिन मामलों मे सरकार को तकलीफ हो सकती है, या जिन मामलों में सरकार सुनवाई नहीं चाहती है, उनकी सुनवाई लगातार शीर्ष अदालतों द्वारा टाली जाती है। जिस मामलें में सरकार पक्षकार होती है उसमें तारीख पर तारीख लगती है। जजों द्वारा जिस तरह से मामलों में सुनवाई को टाला जाता है, उसको लेकर अब एक विरोध बार और न्यायालय के बीच दिखने लगा है। सुप्रीम कोर्ट में आज जिस तरह से अपने स्वाभिमान की लड़ाई लड़ने के लिए वकील एकजुट हो गए। खंडपीठ को अपने आदेश में संशोधन करना पड़ा।

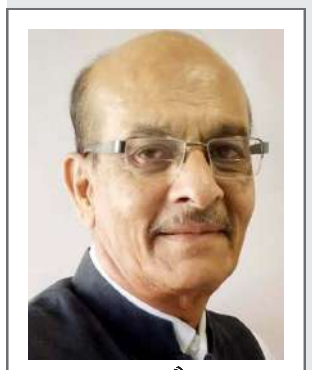

सनत जैन

ग्लोबल हेराल्ड

वृद्धों के लिये उजाला बना सुप्रीम कोर्ट का फैसला

ललित गर्ग

ग्लोबल हेराल्ड

देश ही नहीं, दुनिया में वृद्धों के साथ उपेक्षा, दुर्व्यवहार, प्रताड़ना, हिंसा तो बढ़ती ही जा रही है, लेकिन अब बुजुर्ग माता-पिता से प्रॉपर्टी अपने नाम कराने या फिर उनसे गिफ्ट हासिल करने के बाद उन्हें यूं ही छोड़ देने, वृद्धाश्रम के हवाले कर देने, उनके जीवनयापन में सहयोगी न बनने की बढ़ती सोच आधुनिक समाज का एक विकृत चेहरा है। संयुक्त परिवारों के विघटन और एकल परिवारों के बढ़ते चलन ने वृद्धों के जीवन को नरक बनाया है। बच्चे अपने माता-पिता के साथ बिल्कुल नहीं रहना चाहते। ऐसे बच्चों के लिए सावधान होने का वक्त आ गया है, सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर एक ऐतिहासिक फैसला दिया है। अपने इस महत्वपूर्ण फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते हैं, तो माता-पिता की ओर से बच्चों के नाम पर की गई संपत्ति की गिफ्ट डीड को रद्द किया जा सकता है। यह फैसला माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम के तहत दिया गया है, जिससे वृद्धों की उपेक्षा एवं दुर्व्यवहार के इस गलत प्रवाह को रोकने में सहयोग मिलेगा। क्योंकि सोच के इस गलत प्रवाह ने न केवल वृद्धों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है।

वसुधैव कुटुम्बकम् की बात करने वाला देश एवं उसकी नवपीढ़ी आज एक व्यक्ति, एक परिवार यानी एकल परिवार की तरफ बढ़ रहे हैं, वे अपने निकटतम परिजनों एवं माता-पिता को भी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं, उनके साथ नहीं रह पा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए सराहनीय पहल की है जिसमें कहा गया था कि अगर गिफ्ट डीड में स्पष्ट रूप से शर्तें नहीं हैं, तो माता-पिता की सेवा न करने के आधार पर गिफ्ट डीड को रद्द नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने कानून का ह्यसख्त दृष्टिकोणह्ण अपनाया, जबकि कानून के वास्तविक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उदार दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता थी। यह फैसला एक महिला की उस याचिका पर आया जिसमें उसने अपने बेटे के पक्ष में की गई गिफ्ट डीड को रद्द करने की मांग की थी क्योंकि बेटे ने उसकी देखभाल करने से इनकार कर दिया था। परिवारों में संपत्ति के विवाद तो पता नहीं कब से चले आ रहे हैं, लेकिन आधुनिक समाज में ये विशेष रूप से बढ़ गए हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से समाज में बुजुर्ग लोगों की उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं उनके प्रति बरती जा रही उदासीनता की त्रासदी से उन्हें मुक्ति देकर उन्हें सुरक्षा कवच मानने की सोच को विकसित करने की भूमिका बनेगी ताकि वृद्धों के स्वास्थ्य, निष्कंटक एवं कुंठारहित जीवन को प्रबंधित किया जा सकता है। वृद्धों को बंधन नहीं, आत्म-गौरव के रूप में स्वीकार करने की अपेक्षा है।

संवेदनशून्य समाज में इन दिनों कई ऐसी घटनाएं प्रकाश में आई हैं, जब संपत्ति मोह में वृद्धों की हत्या कर दी गई। ऐसे में स्वार्थ का यह नंगा खेल स्वयं अपनों से होता देखकर वृद्धजनों को किन मानसिक आघातों से गुजरना पड़ता होगा, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता। वृद्धावस्था मानसिक व्यथा के साथ सिर्फ सहानुभूति की आशा जोहती रह जाती है। वृद्धों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत

बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। वरिष्ठ नागरिकों के हितों की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ऐसे कई वरिष्ठ नागरिक हैं जिन्हें उनके बच्चे अनदेखा कर देते हैं और संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उन्हें अपने हाल पर छोड़ देते हैं। जस्टिस सीटी रविकुमार और संजय करोल की पीठ ने कहा कि यह अधिनियम एक लाभकारी कानून है जिसका उद्देश्य उन बुजुर्गों की मदद करना है जिन्हें संयुक्त परिवार प्रणाली के कमजोर होने के कारण अकेला छोड़ दिया जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए इसके प्रावधानों की व्याख्या उदारतापूर्वक की जानी चाहिए, न कि संकीर्ण अर्थों में।

पहले परिवार से किसी भी मनुष्य की पहचान जुड़ी होती थी, इसलिए लोग परिवार से जुड़े रहते थे। अब उसकी पहचान उसकी कार या कपड़ों के ब्रांड आदि भौतिकतावादी चीजों से होती है। यह भौतिकवाद की मृगतृष्णा इंसान की सामाजिक, सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान पर हावी हो गई है, बल्कि अब तो संस्कृति और आध्यात्मिकता भी उपभोक्ता वस्तु की तरह बाजार में हैं। एक बड़ी समस्या भारत जैसे देशों में है, जो इस दौड़ में शामिल हो गए हैं, पर इतने समृद्ध नहीं हुए हैं कि इस जीवनशैली को आसानी से अपना सकें। भारत में परिवार के सदस्यों में परस्पर दूरियां लगातार बढ़ रही हैं। भूमि संबंधी विवाद भाई-भाई के बीच होते-होते अब पिता-पुत्र के बीच भी होने लगे हैं और मामला हत्या तक पहुंच जाता है। ताजा मामला भी संपत्ति विवाद का ही है। आज के बेटों को पुश्तैनी संपत्ति का लाभ तो चाहिए, पर पिता-माता के साथ रिश्ते अच्छे रखना उनकी प्राथमिकता नहीं है। ऐसे में, कई माता-पिता भी अपनी संतानों को बेदखल करने के लिए मजबूर हो जाते हैं। यह वक्त है, जब हमें जानना होगा कि अपने लोगों से संबंध और संवाद ही जीवन को सार्थक बनाता है। हमें अपने रिश्तों का दायरा इतना तो जरूर बढ़ाना चाहिए, जिसमें कम से कम अपना निकटतम परिवार पूरी तरह से शामिल हो जाए।

नये विश्व की उन्नत एवं आदर्श संरचना बिना वृद्धों की सम्मानजनक स्थिति के संभव नहीं है। वर्किंग बहुओं के ताने, बच्चों को टहलाने-घुमाने की जिम्मेदारी की फिक्र में प्रायः जहां पुरुष वृद्धों की सुबह-शाम खप जाती है, वहीं वृद्ध महिला एक नौकरानी से अधिक हैसियत नहीं रखती। यदि परिवार के वृद्ध कष्टपूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं, रुग्णावस्था में बिस्तर पर पड़े कराह रहे हैं, भरण-पोषण को तरस रहे हैं तो यह हमारे लिए वास्तव में लज्जा एवं शर्म का विषय है। इसी सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट की संवेदनशीलता वर्तमान युग की बड़ी विडम्बना एवं विसंगति पर विराम देने का काम करेंगी। निश्चित ही आज के वृद्ध माता-पिता अपने ही घर की दहलीज पर सहमा-सहमा खड़ा है, वृद्धों की उपेक्षा स्वस्थ एवं सुसंस्कृत परिवार परम्परा पर काला दाग है। हम सुविधावादी एकांगी एवं संकीर्ण सोच की तंग गलियों में भटक रहे हैं तभी वृद्धों की आंखों में भविष्य को लेकर भय है, असुरक्षा और दहशत है, दिल में अन्तहीन दर्द है। इन त्रासद एवं डरावनी स्थितियों से वृद्धों को मुक्ति दिलाने के लिये जहां सुप्रीम कोर्ट का फैसला रोशनी बना है वही इसके लिये आज समाज एवं परिवार स्तर पर विचारक्रांति ही नहीं, बल्कि व्यक्तिक्रांति एवं परिवार-क्रांति की जरूरत है। सरकारों को भी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बेरोजगारों को या वृद्धजनों को सरकारी आर्थिक सहायता का प्रावधान करना चाहिए।आधुनिक समाज में वृद्ध माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ना त्रासदी है। भौतिक जिंदगी की भागदौड़ में नई पीढ़ी नए-नए मुकाम ढूंढने में लगी है, उनकी सुविधाओं एवं स्वच्छंदता का शिकार सर्वाधिक वृद्ध हो रहे हैं। आज वृद्धजन अपनों से दूर जिंदगी के अंतिम पड़ाव पर कवीन्द्र-रवीन्द्र की पंक्तियां गुनगुनाने को क्यों विवश है-ह्यदीर्घ जीवन एकटा दीर्घ अभिशापह्ण, दीर्घ जीवन एक दीर्घ अभिशाप है। निश्चित ही वृद्ध जीवन अभिशाप बन रहा है, क्योंकि आज वृद्धों को अकेलापन, परिवार के सदस्यों द्वारा उपेक्षा, दुर्व्यवहार, तिरस्कार, कटुक्तियां, घर से निकाले जाने का भय या एक छत की तलाश में इधर-उधर भटकने का गम हरदम सालता रहता। वृद्ध समाज इतना कुंठित एवं उपेक्षित क्यों है, एक अहम प्रश्न है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार अनेक स्वस्थ एवं आदर्श समाज-निर्माण की योजनाओं को आकार देने में जुटी है, उन्हें वृद्धों को लेकर भी चिन्तन करते हुए वृद्ध-कल्याण योजनाओं को लागू करना चाहिए, ताकि वृद्धों की प्रतिभा, कौशल एवं अनुभवों का नये भारत-सशक्त भारत के निर्माण में समुचित उपयोग हो सके एवं आजादी के अमृतकाल को वास्तविक रूप में अमृतमय बना सके।

शरीर के लिए कम हानिकारक नहीं है ये क्रीम पाउडर

मुकेश तिवारी

ग्लोबल हेराल्ड

पसीना निकलना हमारे शरीर की स्वाभाविक और अनिवार्य प्रक्रिया है। पसीने के रूप में हमारे शरीर की गंदगी और विषैले तत्व हमारे शरीर से बाहर निकल जाते हैं ।यह पसीना गर्मियों के दिनों में हमारे शरीर को ठंडा रखने में मददगार रहता है । लेकिन अब भारत में गर्मी का मौसम आते ही समाचार पत्र, पत्रिकाओं से लेकर चैनलो पर आने वाले आकर्षक और भ्रामक विज्ञापनों से प्रभावित होकर पसीने की दुर्गंध से छुटकारा दिलाने वाले टेलकम पावडर और क्रीम के उपयोग का चलन बढ़ रहा है। लोग पसीने और इसकी दुर्गंध से छुटकारा पाने के लिए विभिन्न प्रकार के सुगन्धित टेलकम पाउडरों और दुर्गन्धनाशक क्रीमों का उपयोग करना प्रारंभ कर देते हैं। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों में ऐसे क्रीम, टेलकम पाउडर का भारतीय बाजार चार गुना बढ़ चुका है। पसीने की दुर्गन्ध नाशक क्रीम -पावडर तेजी से लोकप्रिय हो इसमें शक नहीं कि बहुत कम लोग यह जानते है कि ये टेलकम पाउडर और क्रीम उनके शरीर की त्वचा के साथ-साथ गुर्दे और फेफड़े जैसे महत्वपूर्ण अंगों को क्षति पहुंचा सकते हैं।

अधिकांश टेलकम पाउडर और दुर्गंध नाशक क्रीम पसीनारोधी होते हैं। इसमें काम आने वाले रसायन त्वचा के छिद्रों को बंद कर देते हैं। जिससे प्रत्यक्ष रूप से पसीने का निकलना तो बंद हो जाता है। यह परोक्ष रूप से तमाम सारी खतरनाक बीमारियों को आमंत्रित करने के लिए अग्रसर हो जाता है ।यदि त्वचा के छिद्र बंद हो जाए तो गुर्दे और त्वचा से निकलने वाले विषाक्त पदार्थ का बाहर निकलना पूरी तरह बंद हो जाएगा। बिषात पदार्थों के नहीं निकलने से गुर्दे को भी ज्यादा काम करना पड़ेगा और फिर इसमें भी खराबी आने का अंदेशा बना रहता है ।इतना ही नहीं ,त्वचा से पसीना निकलने की प्रक्रिया रक्त में ऑक्सीजन पहुंचकर इसके शुद्धिकरण में भी मददगार होती है और यदि ये छिद्र बंद हो जाए तो यह प्रक्रिया भी निश्चित रूप से अवरोधित होगी और बदले में फेफड़ों को ज्यादा काम करना पड़ सकता है ।बाजार में बिकने वाले तमाम दुर्गंध नाशक क्रीमों एवं टेलकम पाउडर में प्रयुक्त होने वाली सुगंधित पदार्थों के प्रभाव से पसीने की बदबू तो दूर हो जाती है। लेकिन पाउडर बनाने वाली कंपनियां इसमें ऐसी सुगंधों का इस्तेमाल करती है, जो मोहक होती है और मस्तिष्क के एक खास हिस्से के न्यूरानों को अपनी गिरफत में कर लेती हैं ।इसका इस्तेमाल करने से पसीना ठीक ढंग से बाहर नहीं निकल पाता और यदि थोड़ा बहुत निकलता भी है तो वह भी हवा में मैं नहीं मिल पाने के कारण ठीक तरह से सुख नहीं पाता ,परिणाम स्वरुप इसके आसपास मौजूद तमाम सारे बैक्टीरिया की गतिविधियों से और अधिक दुर्गन्ध जन्म ले लेती है। जो कि हानिकारक होती है।

वैसे तो टेलकम पाउडर कई तरह के होते हैं, जो अत्यंत महीन चूर्ण से बने होते हैं। इसका सर्वाधिक भाग मैग्नीशियम सिलिकेट से बना होता है, लेकर अच्छे टेल कम पाउडर सफेद रंग के गंधहीन चूर्ण से बने होते हैं ।इसे अगर चुटकी में लिया जाए तो यह फिसलता है । महंगे टेलकम पाउडर में सिलिकेट के अलावा काओलिन , कैल्शियम काबोर्नेट, जिंक ऑक्साइड, जिंक स्टीयरेट, मैग्नीशियम काबोर्नेट के साथ-साथ सुगंधित पदार्थ मिश्रित होते हैं । यह सभी जानते हैं कि जिंक ऑक्साइड एक जीवाणु नाशक रसायन है। अनेक टेलकम पाउडर में तो टिटेनियम ऑक्साइड और चाक मिट्टी भी मिलाई जाती है । इसी तरह सुगंध के लिए आमतौर पर पौधों के रस से तैयार क्रिस्टल पावडर मिश्रित किया जाता है। जबकि क्रीम वाले दुर्गंधनाशक में मुख्य रूप से आक्सीकिवनोलिन सल्फेट नामक विषैले केमिकल को मिलाया जाता है जो केंद्रीय तंत्र का तंत्र को उत्तेजित करता है ।इसमें प्रसिद्ध विषैला केमिकल फॉर्मलडिहाईड की मात्रा भी युक्त होती है ।यह सर्वविदित है कि इस केमिकल का इस्तेमाल पोस्टमार्टम के पश्चात शव लेपन में किया जाता है ।यह दुर्गंध नाशक के निर्माण में एक अन्य केमिकल जिंक सल्फो कैबिनिट भी प्रयुक्त होता है ,जो बहुचर्चित कीटनाशक है। इसका उपयोग इसके संकुचन गुण को मध्य नजर रखते हुए किया जाता है।

पेंसिलनुमा दुर्गन्ध नाशक तो शरीर के लिए और भी अधिक हानिकारक हो सकता है। पेंसिलनुमा दुर्गन्ध नाशकों में आमतौर पर पेटोलेकटम, सोडियम हाईड्रोआकसाईड,बेजोइक अम्ल और क्लोरेट हाइड्रेट प्रयुक्त होता है, जो त्वचा में खुजली और जलन उत्पन्न करता है। उक्त जलन त्वचा के अनेक रोगों को जन्म देती है। सोडियम हाइड्रोक्साइड, यह कास्टिंक सोडा का ही रूप है। जिसका उपयोग कपड़े धोने में किया जाता है। यह त्वचा को जला सकता है। इसी तरह बेजोइक अम्ल अत्यंत जहरीला और क्लोरेट हाइड्रेट क्षतिकारक है। इसमें इतनी ताकत होती है कि यह कपड़ा और और सख्त से सख्त धातु को भी गला सकता है। यदि भूलवश बेजोइक अम्ल अथवा क्लोरेट हाइड्रेट की कुछ बूंदों को आदमी गटक ले तो बेहोशी आने लगती है यह तक कि कभी कभी तो मौत तक हो सकती है।

जो व्यक्ति इन सब का उपयोग नहीं करते, उन्हें इन सबके इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति से दूर रहना चाहिए। क्योंकि गर्मी के साथ दिनों में ये विषैले पदार्थ वाष्पीकृत होकर विषैली गैस में तब्दील हो जाती है,जो सांसों के माध्यम से शरीर के भीतर पहुंचकर क्षति पहुंचा सकती है। बाजार में बिकने वाले दुर्गन्ध नाशक क्रीम - पाउडर का काफी लम्बे समय तक इस्तेमाल करने से त्वचा के साथ साथ शरीर के अन्य अंगों पर भी काफी दुष्प्रभाव पड़ सकता है।

(लेखक के विषय में -मध्यप्रदेश शासन से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

व्यापार

बैंकों ने बदले नियम, अब एटीएम से पैसा निकालने पर लगेगा अतिरिक्त शुल्क

नई दिल्ली। एसबीआई, पीएनबी, आईसीआईसीआई और एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को अब इन बैंकों के एटीएम से पैसे निकालने पर ग्राहकों को अतिरिक्त शुल्क देना पड़ेगा। इन बैंकों ने अपनी एटीएम सर्विसेज पर चार्ज को बढ़ा दिया है, जिससे ग्राहकों को हर माह तय सीमा से ज्यादा ट्रांजैक्शन करने पर अतिरिक्त शुल्क चुकाना होगा। बैंकों के ज्यादातर डेबिट कार्ड ग्राहकों को मुफ्त दिए जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में जॉइनिंग फीस, वार्षिक शुल्क और रिप्लेसमेंट चार्ज वसूला किया जाता है।

एसबीआई कुछ डेबिट कार्ड्स पर 300 तक जॉइनिंग फीस और 125 से 350 तक सालाना शुल्क लेता है। अगर कार्ड खो जाता है या बदलवाना हो, तो 300 का चार्ज देना होता है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) कुछ डेबिट कार्ड के लिए 250 जॉइनिंग चार्ज, 500 वार्षिक शुल्क और 150 रिप्लेसमेंट फीस लेता है। वहीं एचडीएफसी बैंक के मुताबिक 250 से 750 तक की जॉइनिंग और सालाना फीस वसूलता है, जबकि नया कार्ड लेने पर 200 रुपए चार्ज किया जाएगा। आईसीआईसीआई अलग-अलग डेबिट कार्ड के लिए 1999 तक की जॉइनिंग फीस और 99 से 1499 सालाना शुल्क लेगा। इसके अलावा, अगर आप डेबिट कार्ड का पिन भूल जाते हैं और नया पिन बनवाना चाहते हैं, तो सभी बैंक इसके लिए 50 चार्ज करते हैं। हर बैंक के बचत खातों के लिए अलग-अलग न्यूनतम बैलेंस मेंटेन करने का नियम है।

विदेशी भारतीय से मिल रहे रेमिटेंस से भारत का सीएडी घाटा रहेगा सुरक्षित

नई दिल्ली। मजबूत सेवा निर्यात और विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से आने वाले रेमिटेंस के साथ वित्त वर्ष 2025-26 में भारत के चालू खाता घाटे (सीएडी) को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी, भले ही देश का मर्चेंडाइज व्यापार घाटा कुछ दबाव में आ गया हो। बुधवार को एक ताजा रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि 2025-2026 में चालू खाता घाटा जीडीपी के 1.3 फीसदी पर रहने के साथ मामूली रूप से अधिक रहेगा, जबकि 2024-2025 में यह जीडीपी का 1 फीसदी रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में भारत का सीएडी 11.5 बिलियन डॉलर जीडीपी का 1.1 फीसदी रहा, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 10.4 बिलियन डॉलर यानी जीडीपी का 1.1 फीसदी था। क्रमिक रूप से, घाटा वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 16.7 बिलियन डॉलर यानी जीडीपी के 1.8 फीसदी से कम रहा। तीसरी तिमाही के दौरान व्यापारिक व्यापार घाटा खराब रहा, लेकिन विदेशों में काम कर रहे भारतीयों से सेवाओं के अधिशेष और रेमिटेंस में सुधार से बैलेंस बना हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि व्यापारिक व्यापार घाटे में वृद्धि मुख्य रूप से तेल व्यापार संतुलन के बिगड़ने के कारण हुई, क्योंकि निर्यात में गिरावट आई और आयात में वृद्धि हुई। तीसरी तिमाही में विदेशी पूंजी में नेट आउटफ्लो देखा गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में नेट इनफ्लो हुआ था। रिपोर्ट में बताया गया है कि तीसरी तिमाही में रुपए में 1.6 फीसदी की गिरावट आई और यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 83.2 से 84.5 प्रति डॉलर पर आ गया। वित्तीय खातों में सभी सब-कंपोनेंट्स में आउटफ्लो देखा गया, जिसमें शुद्ध विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक सेगमेंट से अधिकतम 11.4 बिलियन डॉलर की राशि शामिल है। दूसरे निवेशों में वित्त वर्ष 2023 की दूसरी तिमाही के बाद पहली बार आउटफ्लो देखा गया। चालू खाता घाटे में होने के बावजूद वित्तीय खाते से शुद्ध निकासी का मतलब भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर असर था, जो तीसरी तिमाही के दौरान 37.7 बिलियन डॉलर कम हो गया। हालांकि यह तिमाही के दौरान रुपए में तेज उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए अमेरिकी डॉलर की बिक्री के जरिए विदेशी मुद्रा बाजार में आरबीआई के हस्तक्षेप को भी दशार्ता है।

ब्रोकरेज ने एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक आईटीसी को खरीदने की दी सलाह

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के बीच घेरलू शेयर बाजारों में बुधवार को जोरदार उछाल आया। एचसीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों की तेजी ने बाजार को ऊपर खींचा। हालांकि टैरिफ को लेकर अनिश्चितताओं ने बढ़त को सीमित कर दिया। शेयर बाजार के जानकारों का मानना है कि मजबूत फंडामेंटल और उचित वैल्यूएशन वाले स्टॉक्स में निवेश करना फिलहाल बेहतर ऑप्शन है। इस बीच ब्रोकरेज फर्म नुवामा ने एफएमसीजी सेक्टर के स्टॉक आईटीसी लिमिटेड को खरीदने की सलाह दी है। नुवामा ने आईटीसी लिमिटेड पर अपनी 'बाय' रेटिंग को बरकरार रखा है। ब्रोकरेज ने स्टॉक पर 571 रुपए का टारगेट प्राइस तय किया है। इस तरह से स्टॉक आगे चलकर 40 फीसदी का अपसाइड दिखा सकता है। आईटीसी लिमिटेड के शेयर मंगलवार को 406.65 रुपए के भाव पर बंद हुआ था। स्टॉक के प्रदर्शन पर नजर डाले तो यह अपने अपने हाई से 19 फीसदी नीचे है। स्टॉक पिछले छह महीने में 16.31 फीसदी गिरने के बाद बीते एक महीने में 3.50 फीसदी चढ़ा है। वहीं, छह महीने में स्टॉक में 16.31फीसदी की गिरावट आई जबकि एक साल में यह केवल 1.41 फीसदी ही चढ़ा है। स्टॉक का 52 वीक हाई 500 रुपए और 52 वीक लो 381.24 रुपए है। बीएसई सेंसेक्स में लिस्टेड कंपनी का मार्केट कैप 5,11,452 करोड़ रुपए है।

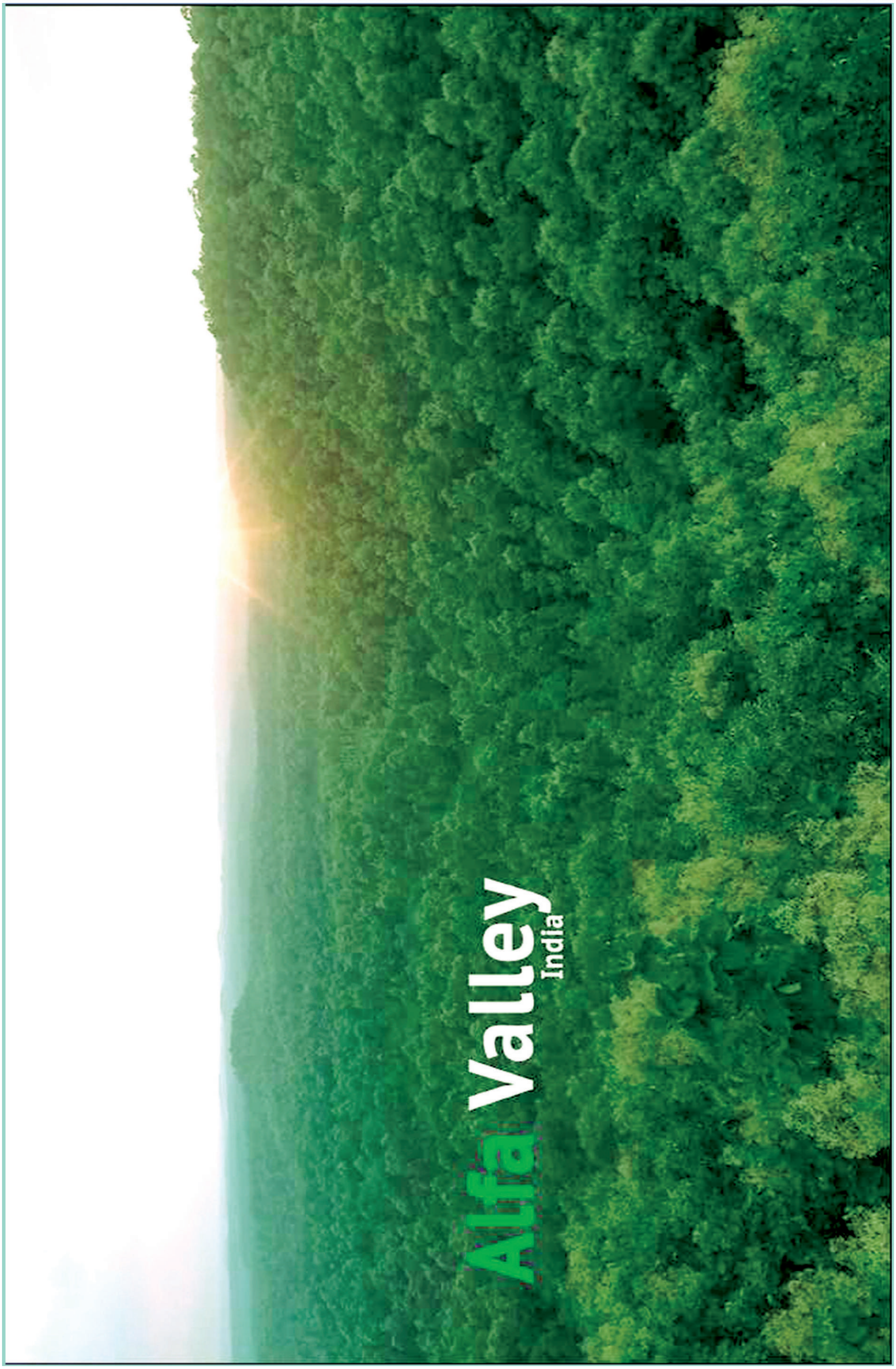
Alfa Valley
India

मनोरंजन

लाइट, साउंड, गाने, कपड़े, सब कुछ अद्भुत था: कुब्रा सैत

मुंबई। लैक्मे फैशन वीक 2025 के दौरान एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने डिजाइनर नम्रता जोशीपुरा के लिए शो की शुरूआत की। अपने अनुभव शेयर करते हुए एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने कहा, लाइट, साउंड, गाने, कपड़े, सब कुछ अद्भुत था - ऊर्जा शानदार थी। शो ओपनर के रूप में यह मेरा पहला रैंप वॉक था, और यह वास्तव में बहुत बड़ी बात है - यह बहुत बड़ा है, मैं अभी जश्न मना रही हूं। कुब्रा ने बताया कि शो के बाद कलेक्शन का क्या होता है। उन्होंने खुलासा करते हुए कहा, यह बेहतरीन स्टोर में जाता है, बहुत से बेहतरीन लोग इस बेहतरीन कलेक्शन को पहनते हैं - लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे लगता है कि यह जानना महत्वपूर्ण है कि हम क्या पहन रहे हैं - आप अपने दिमाग और सोच को उन कपड़ों को चुनने में लगाते हैं जिन्हें आप पहनना चाहते हैं और मुझे यह कहते हुए बहुत खुशी हो रही है कि नम्रता जोशीपुरा द्वारा इस कलेक्शन में बनाया गया हर एक परिधान, जो एक एथलीजर कलेक्शन है, बोतलों को रिसाइकिल करके बनाया गया है - इसलिए, यह टिकाऊ है, यह अद्भुत है, यह आपकी त्वचा के लिए अच्छा है, यह आपके दिल के लिए अच्छा है, यह आपकी चेतना के लिए अच्छा है।

सब कुछ नहीं जाना, अभी जीवन में कई अनुभव लेना बाकी हैं: शबाना आजमी

मुंबई। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शबाना आजमी का मानना है कि उन्होंने अभी सब कुछ नहीं जाना है और उनके लिए जीवन के कई अनुभव लेना बाकी हैं। पांच दशकों से ज्यादा के अपने शानदार करियर के बावजूद अभिनेत्री का कहना है कि यह सोचना बेकार होगा कि उन्होंने हर पहलू को जी लिया है। एक बातचीत में शबाना ने कहा कि यह मानना कि मैंने सब कुछ अनुभव कर लिया है, अवास्तविक होगा। हां, मैं अब ज्यादा रोमांचक काम नहीं कर सकती, वो बेवकूफी होगी, लेकिन मैं फिर भी करना चाहती हूं। मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। बता दें शबाना आजमी ने 1974 में श्याम बेनेगल की फिल्म अंकुर से अपने करियर की शुरूआत की थी। 50 साल के करियर में उन्होंने 160 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है, जिनमें से ज्यादातर स्वतंत्र सिनेमा और नवयथार्थवादी समानांतर फिल्मों से जुड़ी रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यधारा की बॉलीवुड फिल्मों और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स में भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

काम ही व्यक्ति के भाग्य का निर्धारक: अमिताभ बच्चन

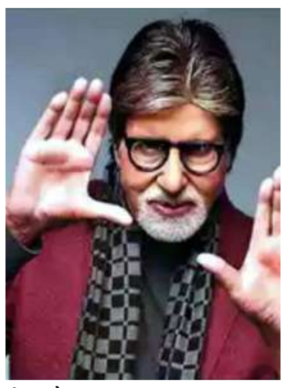

मुंबई। लोकप्रिय धारावाहिक शो कौन बनेगा करोड़पति के अगले सीजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं और पहला कदम प्रोमो है। सुपर स्टार अमिताभ बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, काम ही व्यक्ति के भाग्य का निर्धारक है और अगले सीजन के लिए शो की तैयारियां पूरी गंभीरता से शुरू हो गई हैं, इसलिए पहला कदम रजिस्ट्रेशन के लिए आमंत्रण का प्रोमो होगा।

उन्होंने माइक्रो-ब्लॉगिंग वेबसाइट पर तीन तस्वीरें भी साझा कीं। एक तस्वीर में वह सोफे पर लेटे हुए दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद उन्होंने बताया कि किस तरह वह फिल्म या सीरीज देखते हुए पूरी तरह तल्लीन हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि क्या यह सभी के साथ होता है या सिर्फ मेरे साथ होता है। जब हम कोई फिल्म या टीवी सीरीज देखते हैं, तो उसमें तल्लीनता का प्रतिशत इतना बड़ा होता है कि कुछ समय बाद आप फिल्म के किरदार की तरह बनने और व्यवहार करने लगते हैं। अभिनेता ने अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स, जिन्हें वह प्यार से अपना विस्तृत परिवार कहते हैं, उन्हें चैत्र सुखलदी, गुड़ी पड़वा, उगादि और ईद उल फितर की शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि इस शुभ अवसर की बधाई सभी को खुशी और आनंद प्रदान करने वाली हो।

प्रतिभाओं की खोज में महारथी है मुम्बई इंडियंस

मुंबई ■ एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अपने पहले ही मैचों में जिस प्रकार मुम्बई इंडियंस के दो खिलाड़ियों विग्नेश पुथूर और अश्वनी कुमार ने अपने प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। उससे एक बात तो साफ है कि मुम्बई इंडियंस टीम को नई प्रतिभाओं की खोज में महारथ हासिल है। वह एक से बढ़कर एक खिलाड़ी ले आते हैं। उसने आईपीएल के अपने

पहले ही मैच में केरल के उभरते हुए गेंदबाज विग्नेश पुथूर को शामिल किया था। विग्नेश ने चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए उस मैच में जबरदस्त गेंदबाजी कर सभी को प्रभावित किया था। यहां तक सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भी उनकी प्रशंसा की थी। वहीं इसके बाद पंजाब के एक छोटे से शहर के अश्वनी कुमार ने डेब्यू मैच में चार विकेट लेकर रिकार्ड बना दिया। ये इसलिए संभव हो रहा है क्योंकि मुंबई देशभर से प्रतिभाओं को खोजकर ला रही है। 24 साल के विग्नेश केरल के मलप्पुरम से हैं। उनके पिता सुनील कुमार एक ऑटो ड्राइवर हैं। विग्नेश को 30 लाख रुपये के बेस प्राइस में खरीदा गया था। बाएं हाथ के स्पिनर होने के साथ-साथ ही वह दाएं हाथ से बल्लेबाजी भी करते हैं।

वहीं अश्वनी कुमार को पंजाब के मोहाली के पास एक छोटे से गांव से लिया गया है। अश्वनी ने डेब्यू मैच में ही चार विकेट लेकर इतिहास रच दिया है। उन्हें भी 30 लाख रुपये में खरीदा गया था। इसके अलावा आजकल टीम की कप्तानी कर रहे हार्दिक पंड्या के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, क्रुणाल पंड्या भी मुम्बई की ही खोज हैं। इसके बाद से ही इन खिलाड़ियों ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वहीं तिलक वर्मा, नेहल वढ़ेरा, नमन धीर, आकाश मधवाल जैसे खिलाड़ी भी इसी कड़ी का हिस्सा है। इस प्रकार देखा जाये तो हर सत्र में टीम के लिए नये खिलाड़ी निकले हैं। कुछ यूजर्स ने तो यहां तक कह दिया कि मुंबई के स्काउट्स तो गूगल सर्च से भी बेहतर हैं।

अश्वनी को नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं : रिकेलटन

मुंबई ■ एजेंसी

मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे दक्षिण अफ्रीकी विकेटकीपर बल्लेबाज रियान रिकेलटन ने अपने पहले ही मैच में शानदार गेंदबाजी करने वाले अश्वनी कुमार की जमकर प्रशंसा की है। रिकेलटन ने कहा कि इस गेंदबाज की गेंद जितना अंदाजा लगाया जाता है उससे तेज आती है। साथ ही कहा कि मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं जिससे वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। अश्वनी ने अपने पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ तीन ओवर में 24 रन पर चार

विकेट लिए थे। उनकी शानदार गेंदबाजी से मुंबई ने इस मैच में जीत दर्ज की थी। रिकेल्टन ने कहा, उसकी गेंदबाजी लोग जितना समझते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं। वह नई गेंद को स्विंग करने में सक्षम है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, आप जितना सोचते हैं, उससे कहीं ज्यादा तेज हैं और उसकी गेंद थोड़ी नीचे भी रहती है। वह निश्चित रूप से इस टीम में बेहतरीन खिलाड़ी हैं और यहां की पिच उसके अनुकूल है।

रिकेलटन ने कहा, 'मैं उसे नई गेंद से गेंदबाजी करते देखना चाहता हूं ताकि वह अपने अन्य कौशल दिखा सके। वह मुंबई इंडियंस के लिए एक अच्छी खोज हैं और मैं वास्तव में यह देखने के लिए बेसब्र हूं कि वह कैसा प्रदर्शन करता है। वहीं केकेआर के रमनदीप सिंह ने भी अश्वनी को एक प्रतिभाशाली क्रिकेटर बताया है। पंजाब के रमनदीप और अश्विनी एक ही अकादमी में प्रशिक्षण लेते हैं। उन्होंने कहा, ह्यअश्वनी बहुत प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं, वह पंजाब से हैं। आईपीएल की पहचान नए क्रिकेटरों को प्रतिभा दिखाने का मौका देने का है और आप उनकी प्रतिभा देख सकते हैं।

कपिल सहित ये क्रिकेटर कभी भी टेस्ट करियर में रन आउट नहीं हुए

मुंबई ■ एजेंसी

क्रिकेट जगत में अब तक 5 खिलाड़ी ऐसे हैं जो कभी रन आउट नहीं हुए। इस सूची में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव से लेकर पांच खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पाकिस्तान के मुदस्सर नजर, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान पॉल कॉलिंगवुड, ग्रीम हिक और पीटर बार्कर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

कपिल देव : भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल अपने टेस्ट करियर में कभी रन आउट नहीं हुए। कपिल ने साल 1978 में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया और 1994 में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना आखिरी मैच खेला। साल 1978 से 1994 तक कपिल ने 131 टेस्ट मैच में 8 शतक और 27 अर्धशतक से 5,248 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 434 विकेट भी टेस्ट मैचों में लिए। कपिल ने 225

एकदिवसीय मैच खेले जिसमें उन्होंने 3,783 रन बनाए। इसमें एक शतक और 14 अर्धशतक शामिल हैं। इस प्रारुप में उन्होंने 253 विकेट भी लिए।

पॉल कॉलिंवगुड : इंग्लैंड के कप्तान पॉल कॉलिंवगुड ने इंग्लैंड की ओर से 68 टेस्ट मैचों में 4,259 रन बनाए है। वह अपने पूरे टेस्ट करियर में कभी भी रन आउट नहीं हुए। कॉलिंगवुड ने 197 एकदिवसीय मैचों में 5,092 रन बनाए। जिसमें 5 शतक और 26 अर्धशतक शामिल हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने 36 टी20 मैच भी खेले जिसमें उन्होंने कुल 538 रन बनाए। टी20 में कॉलिंगवुड ने 3 अर्धशतक लगाये।

अय्यर से प्रभावित हैं उमरजई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईपील खेल रहे अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भारतीय टीम के बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की जमकर प्रशंसा की है। उमरजई ने कहा कि श्रेयस एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो शांत रहते हुए अपना काम करते हैं। इसी कारण मुझे उनके साथ बात करना पसंद है। उमरजई ने कहा कि युवाओं को श्रेयस से सलाह लेनी चाहिये। उन्होंने कहा कि मैंने श्रेयस से पूछा कि टी20 में तेज गेंदबाजों को कैसे खेला जाए। उन्होंने कहा कि हमें उनकी रफ्तार का इस्तेमाल करना चाहिए। यहां गेंद तेजी से आती है जिससे आप रन बना सकते हैं। ऐसे में जबरन शॉट खेलने का प्रयास न करें।

उमरजई ने श्रेयस के अनुभव की भी सराहना की और कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत क्रिकेट खेला है। उन्हें तेज गेंदबाजी को खेलने की अच्छी समझ है। चैंपियंस ट्रॉफी में इंग्लैंड के खिलाफ उमरजई ने 31 गेंदों में 41 रन बनाए और गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट भी लिए थे। अपने को बल्लेबाजी ऑलराउंडर मानने वाले उमरजई का मानना है कि जोस बटलर जैसे बल्लेबाज को आउट करना बड़ी बात थी। उमरजई ने इस पर कहा कि यह वनडे में अब तक का मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। वनडे में आपको जमने के लिए अधिक समय मिलता

है और आप लंबे समय तक खेल सकते हैं और मैदान पर अतिरिक्त समय ले सकते हैं।

पिछले सीजन में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलने वाले उमरजई ने कहा कि इस बार आईपीएल में मुझे अपनी स्ट्राइक रेट में सुधार करना होगा और अपनी टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए लंबी पारियों पर काम करना होगा। इसी तरह वह 140 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अब तेज हो गया है। अगर आपके पास 1-2 कौशल हैं, तो दूसरे आपको समझ लेंगे। इसलिए, आपको हर बार सीखना और सुधार करना होगा। इसलिए गेंदबाजी में लगातार सुधार की जरुरत है।

आयुष और रवि के पकड़े कैच को देखकर दर्शक हैरान हुए

लखनऊ। लखनऊ सुपर जायंट्स के आयुष बडोनी और रवि बिश्नोई ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में मिलकर एक कैच पकड़ा। जिससे सभी हैरान रह गये। इस मैच में हालांकि अंत में पंजाब को जीत मिली थी पर आयुष और रवि के प्रयास की सभी ने सराहना की। ये मामला मैच के 13वें ओवर का है। इस मैच में लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 171 रन बनाए। इसके बाद पंजाब की टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए यह स्कोर आसानी से हासिल कर लिया। पंजाब की पारी के 11वें ओवर में लखनऊ के आयुष और रवि बिश्नोई ने मिलकर एक शानदार कैच पकड़ा जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। तब दिग्वेश राठी गेंदबाजी कर रहे थे। ओवर की पहली ही गेंद पर प्रभसिमरन सिंह ने स्वीप किया पर गेंद हवा में उछल गयी।

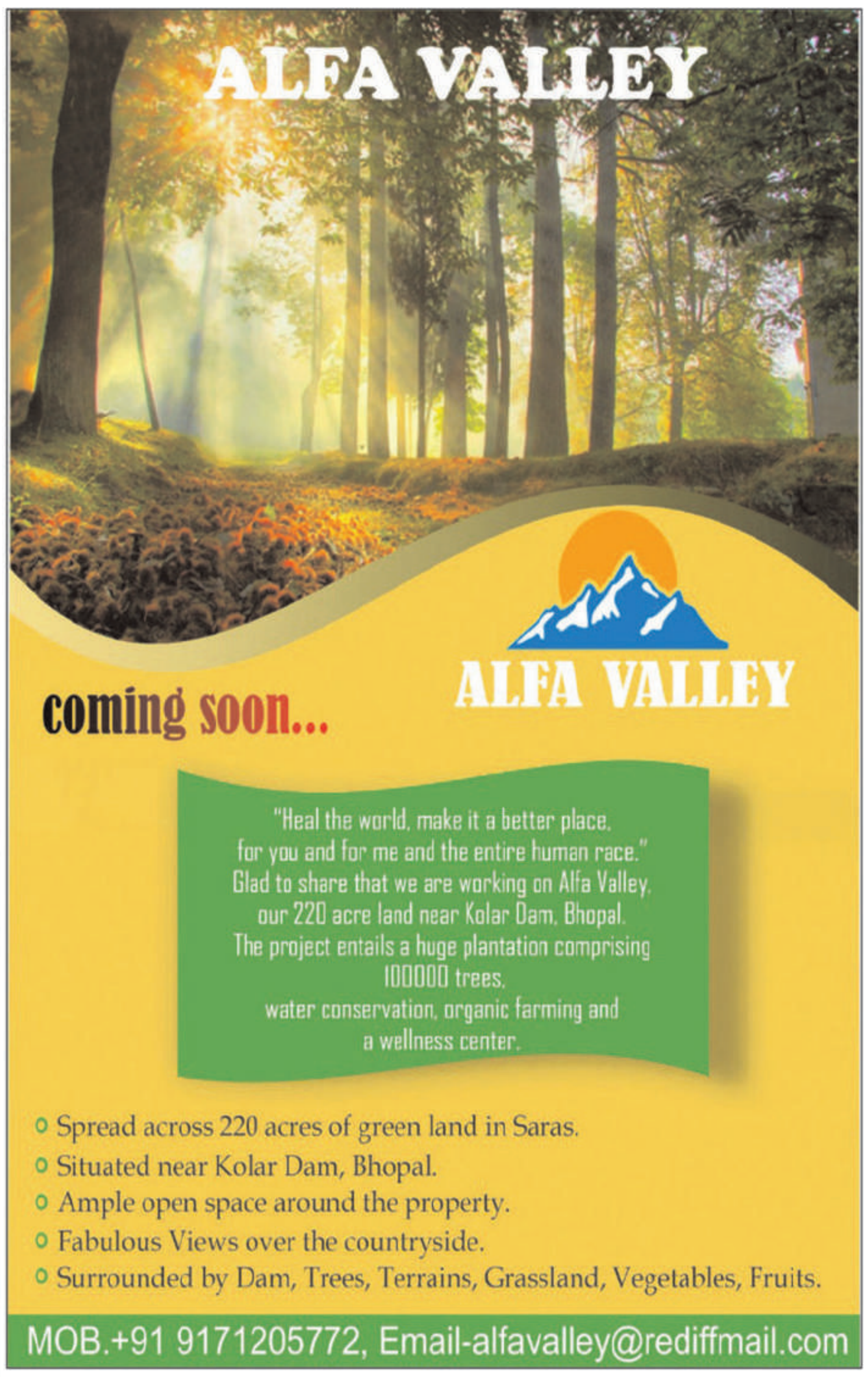

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**